RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 01 | लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

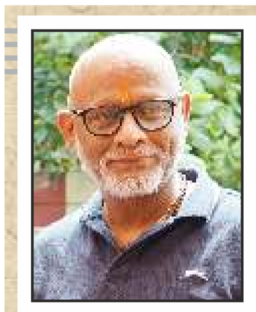

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के जुलाई 24 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। स्टूडियो न्यूज़ के सात साल के सफर में हमने फोटोग्राफी इंडस्ट्री में बहुत उत्तर चढ़ाव देखे हैं, पिछले 7 सालों में फोटोग्राफी के क्षेत्र में हुए बदलावों ने प्रोफेशनल फोटोग्राफरों को कई चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूर किया है, लेकिन साथ ही उन्हें अपने कौशल को विकसित करने और नए अवसरों को अपनाने का मौका भी दिया है, हालाँकि स्मार्टफोन कैमरों के आने से कुछ हद तक प्रोफेशनल फोटोग्राफी को चुनौती मिली है, लेकिन इसने रचनात्मकता को बढ़ावा देने और फोटोग्राफी को हर किसी के लिए सुलभ बनाने का काम भी किया है।

फोटोग्राफी को शौक के लिए करना और फोटोग्राफी में करियर बनाना दोनों में बहुत अंतर है। ज्यादातर लोगो को लगता होगा फोटोग्राफी करियर का एक आकर्षक विकल्प है क्योंकि यह काफी आसान है, उन्हें लगता है कि फोटोग्राफर का काम केवल बटन दबाने भर का है। चूंकि डिजिटल तकनीक से फोटोग्राफी आसान हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसके साथ अच्छी तस्वीर खींचना और फोटोग्राफी में एक सफल करियर बनाना आसान हो गया है। कला के दृष्टिकोण से फोटोग्राफी केवल बटन दबाने का काम नहीं है। एक तस्वीर सेकंड से भी काम समय में खींची जाती है लेकिन इस तस्वीर की तैयारी में कई मिनट और घंटे लग जाते हैं। फोटोग्राफी करने के लिए आप में कला, तकनीक एवं धैर्य का मिश्रण होना आवश्यक है। फोटोग्राफर को केवल टेक्निकल होना ही काफी नहीं है, ऑटोमेशन के इस युग में शार्प और जीवंत तस्वीरें तो सभी खींच रहे हैं, ऐसे में तकनीक के अलावा कुछ बेहतर करने की ज़रूरत है। आपको अपनी तस्वीर में अपनी छाप बनानी होगी, अपना एक स्टाइल बनाना होगा। अपनी छाप या स्टाइल बनाने के लिए कुछ भी न करते रहे, आप फोटोग्राफी के बारे में अपनी समझ और अपने व्यक्तित्व की मदद से अपना स्टाइल बनाये। रचनात्मकता और जुनून इस क्षेत्र में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पहले एक ही फोटोग्राफर हर तरह की फोटो खींच लेता था, मगर अब ऐसा नहीं चलता। अब फायदा यह है कि आप किसी एक चीज में स्पेशलिस्ट बन सकते हैं, शादियों की खूबसूरत फोटो लेने में माहिर हैं? या फिर प्रोडक्ट्स को ऐसी शक्ल दें कि देखते ही खरीदने का मन करे? पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में कमाल करते हैं? किसी एक क्षेत्र में अपना नाम बनाएं, इससे आपको उस फील्ड के ट्रेंड्स और जरूरतों की अच्छी समझ भी हो जाती है, साथ ही जरूरी उपकरणों और तकनीकों में भी आप माहिर हो जाते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में दक्षता समय की मांग है। आज के दौर में सिर्फ अच्छी तस्वीरें लेना ही काफी नहीं है, फोटोग्राफरों को यह सीखना जरूरी है कि ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिए अपने काम का प्रचार कैसे करें? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का सही से इस्तेमाल करना और एक आकर्षक वेबसाइट बनाना ग्राहकों को आकर्षित करने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा, कई फोटोग्राफर अब सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) की बारीकियां सीख रहे हैं ताकि उनकी वेबसाइट सर्च रिजल्ट्स में ऊपर दिखाई दे और संभावित ग्राहक उन तक आसानी से पहुंच सकें।

याद रखें, महंगे उपकरण स्वचालित रूप से बेहतर तस्वीरें लेने की गारंटी नहीं देते हैं। एक कुशल फोटोग्राफर रचनात्मक दृष्टिकोण, प्रकाश व्यवस्था में महारत और फोटो एडिटिंग कौशल के माध्यम से अपेक्षाकृत कम बजट के उपकरणों के साथ भी शानदार परिणाम प्राप्त कर सकता है। शेष अगले अंक में।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना हैं। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक दूरभाष : 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

बंगाल फोटो वीडियो एक्सपो 2024 के पोस्टर का विमोचन

2 जुलाई 2024, कोलकाता में वेस्ट बंगाल फोटोग्राफी वेलफेयर एसोसएिशन द्वारा आगामी 24-26 अक्टूबर 2024 को होने वाले **'बंगाल फोटो वीडियो एक्सपो 2024'** के पोस्टर का विमोचन किया गया। साथ ही अन्य राज्यों उड़ीसा, पंजाब, बिहार और दिल्ली में होने वाली एक्सपो के भी पोस्टर का प्रदर्शन सम्बन्धित राज्य से आये हुए पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर वेस्ट बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष मनवेश चक्रवर्ती ने ऑल इंडिया फोटोग्राफर फेडरेशन तथा राज्यों से आये हुए प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Canon ने EL-10 मिड-रेंज स्पीडलाइट पेश किया

कैनन ने अपनी EL हॉट-शू फ्लैश सीरीज का विस्तार स्पीडलाइट EL-10 को पेश करके किया है।

यह नया मिड-रेंज मॉडल लाइनअप में EL-100 और E-L5 के बीच होगा, जिसे खासतौर पर फोटोग्राफी के शौकीनों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, लेकिन फिर भी इसमें कुछ आकर्षक विशेषताएं हैं। इसे छोटा और हल्का बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इस प्रकार, EL-10 चार AA बैटरियों द्वारा संचालित होती है। इसका वजन केवल 284 ग्राम और आयाम 70.6×116.3×98.3 mm (wxhxd) है। स्पीडलाइट EL-10 की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक इसका 1.5 सेकंड का रिचार्ज टाइम है, जो अपनी श्रेणी में सबसे तेज रिचार्ज टाइम में से एक है।

Nikon ने निकॉन Z माउंट के लिए अपना पहला f/1.4 लेंस, Z 35mm f/1.4 लॉन्च किया

Nikon ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें उन्होंने NIKKOR Z 35mm f/1.4 लेंस को पेश किया है। यह f/1.4 के अधिकतम एपर्चर वाला पहला निकॉन Z माउंट संगत वाइड एंगल वाला प्राइम लेंस है। यह लेंस फोटोग्राफरों को कम रोशनी की स्थिति में भी रचनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करता है और सुंदर चित्र बनाने में सक्षम बनाता है। यह लेंस स्ट्रीट और पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के लिए आदर्श है। इसके अतिरिक्त, आकर्षक मूल्य निर्धारण इसे एक किफायती विकल्प बनाता है।

Panasonic ने Lumix G सीरीज में अपने नए फ्लैगशिप मॉडल, Lumix GH7 माइक्रो फोर थर्ड्स मिररलेस कैमरे को लॉन्च करने की घोषणा की है।

लुमिक्स GH7 अपने पूर्ववर्ती GH6 की सफलता को आगे बढ़ाते हुए इसकी वीडियो क्षमताओं को बेहतर बनाता है। पैनासोनिक का कहना है कि यह कैमरा उच्च-गुणवत्ता वाली वीडियो सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने का लक्ष्य रखता है और इस मामले में, इसके कुछ खास फीचर्स हैं जिन्हें ज़रूर सराहा जाएगा।

कहा जाता है कि इसका 25.2MP BSI CMOS सेंसर बेहतर वीडियो प्रदर्शन और व्यापक डायनामिक रेंज प्रदान करता है, लेकिन ध्यान देने योग्य बड़ी बातें हैं इसका फेज़ डिटेक्शन ऑटोफोकस (PDAF), आंतरिक Apple ProRes RAW रिकॉर्डिंग और दुनिया की पहली 32-बिट फ्लोट रिकॉर्डिंग, जो शूटिंग के दौरान लेवल एडजस्टमेंट की ज़रूरत को खत्म करके साउंड रिकॉर्डिंग को आसान बनाती है।

Ricoh ने पेंटाक्स WG-8 और WG-1000 वाटरप्रूफ कॉम्पैक्ट की घोषणा की

Ricoh ने PENTAX WG-1000 और PENTAX WG-8 के साथ वाटरप्रूफ डिजिटल कॉम्पैक्ट कैमरों की अपनी लाइनअप का विस्तार किया। नए कैमरे उपभोक्ताओं को रिको के सभी मौसमों के लिए उपयुक्त एडवेंचर कैमरों में प्रवेश-स्तर और शीर्ष-स्तरीय विकल्प प्रदान करते हैं, जिनकी मजबूत बनावट, पानी, धूल और झटकों को सहने लायक है।

Blackmagic Ursa Cine Immersive कैमरा Apple Vision Pro के लिए, हर एक आंख के लिए 8K रेजॉल्यूशन वाली शूटिंग कर सकता है

ब्लैकमैजिक ने एप्पल विजन प्रो के लिए इमर्सिव वीडियो बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ कैमरा सिस्टम तैयार किया है, जो प्रत्येक आंख के लिए 8,160 x 7,200 पिक्सल की रेजोल्यूशन वाली शूटिंग का वादा करता है, जो कि 8K UHD से भी ज्यादा बेहतर है।

Canon ने VR वीडियो बनाने के लिए एक छोटे डुअल फिशआई लेंस की घोषणा की

कैनन ने सोशल मीडिया क्रिएटर्स के लिए खुशखबरी सुनाई है। VR वीडियो बनाने में आसानी, किफायती दाम और बेहतरीन क्वालिटी देने वाला एक नया लेंस RF-S3.9mm F3.5 STM डुअल फिशआई लेंस हाल ही में लॉन्च हुआ है। यह लेंस EOS R7 कैमरे के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है।

Panasonic x Arri का नया धमाका ! सॉफ्टवेयर अपडेट से अब पैनासोनिक GH7 (और GH6) कैमरे में Arri LogC3 फीचर मिल सकेगा

खुशखबरी! पैनासोनिक ने Arri के साथ मिलकर एक डील की है, जिससे GH7 और GH6 कैमरा यूजर्स को कंपनी के खास Arri LogC3 प्रोफाइल को लाइसेंस के तौर पर इस्तेमाल करने की सुविधा मिलेगी।

पैनासोनिक गर्व से पेश करता है LUMIX GH7 के लिए नया सॉफ्टवेयर अपग्रेड की (key) DMW-SFU3A (अलग से बेचा जाता है)। इस अपग्रेड के साथ, कैमरे में ARRI LogC3 फीचर मिलता है, जिससे आप अपनी रिकॉर्डिंग को ARRI के सिनेमा कैमरों से आसानी से मैच करा सकेंगे। ARRI ने खुद इस फंक्शन के लिए LUMIX GH7 पर ARRI LogC3 कर्व की इमेज प्रोसेसिंग को प्रमाणित किया है।

Tamron ने 50-300mm F4.5-6.3 Di III VC VXD टेली जूम की घोषणा की

टैमरॉन ने एक नया ज़बरदस्त टेलीजूम लेंस लॉन्च किया है - 50-300mm F/4.5-6.3 Di III VC VXD (मॉडल A069)। यह खास है क्योंकि यह 6x जूम वाला टेलीजूम लेंस है, जो कि ज़्यादातर लेंसों से अलग है। यह लेंस 50mm पर शुरू होता है, जो आपको और ज़्यादा फायदा देता है। आप दूर की चीज़ों की फोटो लेने के अलावा, आम फोटो और पोर्ट्रेट भी आसानी से ले सकते हैं। यह लेंस Sony E-mount फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए बनाया गया है।

Insta360 का धमाका! सबसे छोटा एक्शन कैमरा अब 4K में कर सकता है रिकॉर्डिंग

इंस्टा360 ने अपने सबसे छोटे एक्शन कैमरे GO 3 का अपडेटेड वर्जन GO 3S लॉन्च कर दिया है। नए कैमरे में कई शानदार फीचर्स हैं, जिनमें शामिल हैं - 4K वीडियो रिकॉर्डिंग, बेहतर स्लो मोशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) द्वारा क्लिप्स को वीडियो में ऑटोमैटिक एडिटिंग, और एप्पल के Find My ऐप के साथ कम्पैटिबिलिटी।

Ricoh ने पेश किया पेंटाक्स 17 हाफ-फ्रेम फिक्स्ड लेंस फिल्म कैमरा

Ricoh इमेजिंग कंपनी ने बहुप्रतीक्षित पेंटाक्स 17 कॉम्पैक्ट फिल्म कैमरा लॉन्च कर दिया है। यह एक हाफ-फ्रेम कैमरा है, जो एक सिंगल 35mm फिल्म फ्रेम (36mm x 24mm) में दो 17mm x 24mm की तस्वीरें ले सकता है। ये तस्वीरें लंबवत (portrait) फॉर्मेट में आती हैं, ठीक उसी अनुपात में जैसा स्मार्टफोन से ली गई तस्वीरों का होता है। इससे फिल्म डेवलप करवाने और फोटो लैब से स्कैन कराने के बाद सोशल मीडिया पर इन्हें आसानी से शेयर किया जा सकता है।

सिग्मा का 18-50mm F2.8 DC DN | Contemporary लेंस खास कैनन RF माउंट कैमरों के लिए बनाया गया है।

सिग्मा का पहला APS-C साइज का मिररलेस कैमरा जूम लेंस, SIGMA 18-50mm F2.8 DC DN | Contemporary, अब कैनन RF माउंट के लिए भी उपलब्ध होगा। इससे कैनन RF माउंट सिस्टम इस्तेमाल करने वाले फोटोग्राफर सीधे अपने कैमरे पर सिग्मा के बेहतरीन क्वालिटी और हाई-परफॉर्मेंस वाले जूम लेंस का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अपना कैमरा तब तक पैक न करें जब तक आप लोकेशन न छोड़ दें - जो मैक्लिनली

Canon
Delighting You Always

CELEBR8 the MAGICAL INDIAN WEDDING WITH EOS R8

फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफर्स के लिए आदर्श कैमरा, जिन्हें कुछ हल्का, न्यूनतमवादी, शक्तिशाली लेकिन पोर्टेबल और भविष्योन्मुखी चाहिए।

मूवी

शानदार वीडियो बनाएं

4K UHD 60p मूवी में रंगों को बदलने के लिए 6K ओवरसैंपलिंग का उपयोग करके संसोधित किया जाता है। आप अपने दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए शानदार 4K में टाइम-लैप्स वीडियो भी रिकॉर्ड कर सकते हैं।

मूवी डिजिटल IS

लेंस IS और Movie Digital IS द्वारा कोआर्डिनेट नियंत्रण के माध्यम से चलते समय मूवी रिकॉर्ड करते समय आमतौर पर होने वाले कैमरा कंपन को समाप्त कर उन्नत स्थिर फुटेज प्राप्त करें।

जब चयनित RF लेंस के साथ उपयोग किया जाता है जो कोआर्डिनेट नियंत्रण IS का समर्थन करता है।

1) Horizontal Direction
2) Vertical Direction
3) Yaw Axis
4) Pitch Axis
5) Roll Axis

हाई स्पीड शूटिंग

फुल AF/AE ट्रैकिंग के साथ 40 फ्रेम प्रति सेकंड तक की निरंतर शूटिंग गति के साथ विशेष पलों या हाई-स्पीड एक्शन को कैप्चर करें।

फोकस

EOS iTR AF X विषय का पता लगाना

डीप लर्निंग प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए, EOS iTR AF X (इंटेजीजेंट ट्रैकिंग एण्ड रिकॉगनिशन ऑटोफोकस) द्वारा तेजी से आगे बढ़ने वाले विषय-वस्तुओं का आसानी से पता लगाने और ट्रैकिंग की अनुमति देता है जिससे आप अपनी रचना पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

EOS iTR AFX उन्नत विषय पहचान और ट्रैकिंग

आनंददायक पलों को नाटकीय प्रभाव दें

उच्च फ्रेम दर, Full HD 180p मूवी रिकॉर्डिंग के साथ एक्शन के प्रभाव को धीमा करके सुपर स्लो-मोशन प्रभाव द्वारा अपनी कहानी कहने को पूरा करता है।

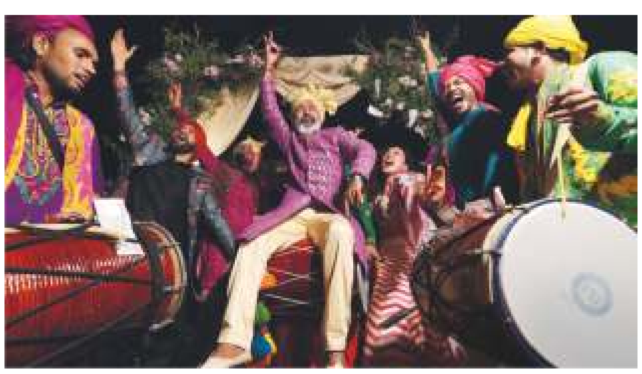

विश्वसनीयता

गलत रंग की पहचान में सहायता

सिनेमा EOS सिस्टम में सही एक्सपोजर स्थिति को पहचानने के लिये व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाला फंक्शन EOS R8 में भी उपलब्ध है, जिससे आप अपने वीडियो में उत्तम एक्पोज़र पाने के लिए ठीक कर सकते हैं।

विस्तृत लेंस विकल्प

EOS R8 विशेष रूप से RF माउंट के लिए डिज़ाइन किए गए उच्च प्रदर्शन वाले वास्तविक RF/RF-S लेंस की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यह माउंट एडाप्टर के माध्यम से मौजूदा सभी EF और EF-S लेंस के साथ भी प्रयोग किया जा सकता है।

स्टिल्स

उच्च तसवीर गुणवत्ता

EOS R8 में DIGIC X इमेज प्रोसेसर द्वारा संचालित 24.2 मेगापिक्सल का फुल फ्रेम CMOS सेंसर है। जो चुनौतीपूर्ण प्रकाश स्थितियों में भी कम नॉयस के साथ स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली तसवीरें को कैप्चर करने में सक्षम है।

बेसिक्स ऑफ फोटोग्राफी - आईएसओ (ISO)

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

नमस्कार दोस्तों उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। जैसा कि दोस्तों पिछली बार हम लोगो ने आईएसओ के बारे में समझने की कोशिश की थी कि कैसे अपर्चर, शटर के आलावा आईएसओ भी लाइट को एडजस्ट करने में मदद करता है और ये कैमरे की सेंसिटिविटी को रिकॉर्ड करके लाइट को कंट्रोल करने का काम करता है। आपका कैमरा लाइट को लेकर के कितना सेंसिटिव है ये आईएसओ के सेटिंग्स से ही डिसाइड होता है। जिस तरह से अपर्चर का साइज़ बढ़ने से कैमरे में जाने वाली लाइट बढ़ती है उसी तरह से जब आईएसओ की वैल्यू को बढ़ाते हैं तो कैमरे के लाइट को कैप्चर करने की सेंसिटिविटी बढ़ जाती है, जिसके चलते कैमरे में लाइट ज्यादा कैप्चर होती है, और आपकी फोटोग्राफ काफी ब्राइट निकल के आती है।

किसी भी फोटोग्राफ को क्लिक करते समय जब आप शटर स्पीड और अपर्चर के साइज़ को अपने जरूरत के हिसाब से कम ज्यादा करके अपना सब्जेक्ट कैप्चर करते हैं तो उसमें इन दोनों सेटिंग्स के एडजस्टमेंट के बाद जो एक्सपोज़र को कण्ट्रोल करने का चांस बचता है उसे आईएसओ से ही मैनेज किया जाता है।

दोस्तों हमने पिछली बार आईएसओ के ज्यादा होने से निकलने वाली नॉइज़ को भी पढ़ा और समझा था। तो इस बार हम उसी नॉइज़ को इमेजेस के माध्यम से समझने की कोशिश करेंगे। जैसा कि हम दी हुई तस्वीर में देख सकते हैं कि दो पुराने से घर है, शाम का समय है और रौशनी कम होने के चलते आपको इस इमेज में काफी ढेर सारी नॉइज़ देखने को मिल रही है। ये फोटोग्राफ मैंने मूसरी में कुछ सालो पहले शाम के समय खींची थी। अब जिस वक़्त सूरज ऑलमोस्ट पूरा ढल चुका हो और उसकी लाइट आपके पास ना के बराबर आ रही हो तो आपको मैक्सिमम लाइट गैदर करने के लिए, शटर और अपर्चर की सेटिंग्स को जरूरत के हिसाब से कम ज्यादा करना पड़ेगा। शटर और अपर्चर की अपनी लास्ट लिमिट तक जाने के बाद आपको आईएसओ की सेटिंग्स को एडजस्ट करने का एक मात्र लास्ट ऑप्शन बचेगा। आप जैसे-जैसे ज्यादा लाइट के लिए आईएसओ को बढ़ाएंगे वैसे-वैसे कैमरा लाइट तो बढ़ा देगा पर नॉइज़ को भी वैसे-वैसे बढ़ा देगा। जैसे कि आप इस फोटोग्राफ में देख सकते हैं कि कितनी ही नॉइज़ नजर आ रही है।

आइये अब हम लोग एक दूसरी इमेज के थ्रू लो आईएसओ और हाई आईएसओ के बीच का डिफरेंस समझने की कोशिश करते हैं। अब जब आप आर्टिकल के साथ अटैच्ड सनसेट की फोटो देखेंगे, तो आपको एक ही तरह की 3 अलग-अलग एक्सपोज़र की इमेज दिखाई दे रही होगी। पहली इमेज को जब आप बाकी दोनों इमेज से कम्पेयर करेंगे तो आपको ऑब्सर्व होगा कि पहली इमेज थोड़ी सी डार्क है। पहली इमेज को 100 आईएसओ पे क्लिक किया गया है जिसकी वजह से वो डार्क है। इसका मतलब ये हुआ कि जब लो आईएसओ सेलेक्ट होता है तो इमेज में ब्राइटनेस कम आती है और ब्राइटनेस कम होने की वजह से ही उसमे नॉइज़ भी आपको कम देखने को मिलेगी। जब आईएसओ कम होता है तो कैमरे के इमेज सेंसिटिविटी कम रहती हैं, जिसकी वजह से कम लाइट कैमरे में कैप्चर होती है और नॉइज़ भी कम देखने को मिलती है।

Noise Creating Drama

Noise because of High ISO sensitivity

वहीं दूसरी इमेज में जब हमने आईएसओ की वैल्यू को 500 पे लगा के फोटो कैप्चर की तो पिछली वाली फोटो यानि कि 100 आईएसओ वाली फोटो के अलग लाइट ज्यादा कैप्चर हुई और तो और नॉइज़ भी ज्यादा कलेक्ट हुई। तो इस फोटो में आपको ज्यादा लाइट और ज्यादा नॉइज़ देखने को मिलेगी।

अब जब आप तीसरी फोटो को देखेंगे जो की 1500 आईएसओ पे खींची गई हैं तो आपको एकदम साफ साफ़ देखने को मिलेगा कि फोटो में लाइट भी ज्यादा कैप्चर हुई हैं और नॉइज़ भी बहुत ज्यादा देखने को मिल रही है। जब कभी भी आप हाई आईएसओ पे फोटो कैप्चर करेंगे तो जरूरत से ज्यादा नॉइज़ी फोटोग्राफ देखने को मिलती है। फोटोग्राफिक पॉइंट ऑफ़ व्यू से नॉइज़ को अच्छा नहीं माना जाता पर आर्टिस्टिक पॉइंट ऑफ़ व्यू से अक्सर कर के नॉइज़ को इस्तेमाल ड्रामेटिक टच के लिए भी किया जाता है। कई बार फोटोज में डेप्थ लाने के लिए या तो बाई चांस फोटोज को नॉइज़ी खींचा जाता है या फिर कभी-कभी तो पोस्ट प्रोडक्शन में नॉइज़ डाली जाती है ताकि फोटोज में ड्रामा क्रिएट किया जा सके।

अब इस मोनोक्रोम फोटोग्राफ को आप देखिये, शाम के समय पहाड़ी रास्ते के किनारे पे बेंच पे बैठा हुआ कपल। क्या इस फोटो में आपको नॉइज़ डिस्टर्ब कर रही है? मेरे हिसाब से तो नॉइज़ इस फोटो में ड्रामा क्रिएट कर रही है -रोमांटिक ड्रामा। तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहोत ख्याल रक्खें। बाए।

ISO 100
Low Light + Low Noise

ISO 500
High Light + High Noise

ISO 500
High Light + High Noise

फूजीफिल्म द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में फोटोग्राफी वर्कशाप का आयोजन

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जनपद के फोटोग्राफरों एवं वीडियोग्राफरों के लिए फूजीफिल्म कम्पनी ने कैमरा वर्कशॉप का आयोजन किया। जिसमें कम्पनी ने अपने नए कैमरे के बारे में तकनीकी जानकारी दी। इन वर्कशॉप्स में फूजीफिल्म की ओर से राजकुमार ने कैमरे तथा फोटोग्राफी की नई तकनीक के बारे में बताया तथा फोटोग्राफरों के सवालों का जबाब दिया।

जनपद - कुशीनगर (24 जून 2024)

जनपद - बाराबंकी (30 जून 2024)

जनपद - मऊ (03 जुलाई 2024)

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd

Chennai - 044-42125158, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi - 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad – 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501
Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera: 9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,
WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkatta 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

अपने अंदर छुपे फोटोग्राफर को आजाद करिये

आप सभी के अंदर एक जबरदस्त फोटोग्राफर है जो आपके दिलों में सोया पड़ा है। अब आपके अंदर के फोटोग्राफर को जगाने का समय समय आ गया है।

अपने अंदर छुपे फोटोग्राफर को कैसे आजाद करें?

विचार 1. आप यह कभी ना कहिए- मैं कोई फोटोग्राफर नहीं हूँ

मैंने तो फोटोग्राफी इस लिए चुनी क्योंकि मैं चित्रकारी नहीं कर सकता। यह अनावश्यक स्वयं-घृणा और स्वयं-संदेह आपकी छाया-चित्रकारी की यात्रा में कोई मदद नहीं करेगा।

अपने आप को एक फोटोग्राफर के रूप में ही देखिए। इससे बेहतर ये होगा कि आप खुद को एक दृश्य कलाकार के रूप में देखें। ऐसा करने से भविष्य में आपको अपनी प्रतिभा दिखाने के और भी अवसर मिलेंगे। इससे अतिरिक्त यह आपको उच्चतर दृश्य शिखर की तरफ अग्रसर करेगा और आपको कठिन दृश्य कर्मों को करने के लिए उत्साहित करेगा जिससे कि आप अपनी रचनात्मक बुलंदियों को छू सकें।

विचार 2. ज्यादा से ज्यादा जोखिम भरी फोटो खीचें :

आप केवल सरल फोटो खींचकर महान फोटोग्राफर नहीं बन सकते हैं। आप को और जोखिम लेने की आवश्यकता है। आपको और भी कठिन फोटो खींचनें की आवश्यकता है। आपको ऐसी फोटो खींचने की आवश्यकता है जिससे आप को डर लगता है। इसलिये मुझे स्ट्रीट-फोटोग्राफी पसंद है- यह बहुत ही कठिन है। यह डरावना है। अभी भी कई बार ऐसी फोटो लेते वक्त मैं काँपने लगता हूँ। लेकिन यही जोखिम, उत्साह और एक से बढ़ कर एक सशक्त फोटो खींचने की हिम्मत ही आपको अपनी फोटोग्राफी को उच्चतर स्तर पर ले जाने में मदद करेगी।

विचार 3. अपने बच्चों को खत्म करो :

अगर आप अपने अंदर के फोटोग्राफर को आजाद करना चाहते हैं तो आपको ज्यादा से ज्यादा फोटो खींचने की आवश्यकता है। खराब फोटो खींचने से डरिये नहीं। साथ ही खराब फोटो को नष्ट करने में कोई दया भी ना दिखाइये। अपनी सर्वश्रेष्ठ फोटो ही अपने पास रखिये और लोगों से साझा करिये।

आप कैसे जानेंगे कि कौन सी फोटो सर्वश्रेष्ठ है

क्या यह फोटो आप को आश्चर्य चकित कर देती है?

आशय- यदि आप इस फोटो को कहीं और देखते तो क्या आप इसको पसंद करते

क्योंकि मेरे मन में अपनी खराब फोटो के प्रति भावनात्मक लगाव हो जाता है इसलिये अपनी फोटो लोगों से साझा करने से पहले कुछ दिनों के लिये ठंडे बस्ते में डाल देता हूँ। मुझे याद रहता है कि उन फोटो को खींचने में कितनी कठिनाई हुई थी। हमें अपनी खराब फोटो को बिना किसी दया के नष्ट कर देना चाहिए। आज के इस डिजिटल युग में अपनी खराब फोटो को नष्ट करने का साहस जुटाना सबसे कठिन काम है।

विचार 4. स्वयं से आगे जाने की कोशिश करिये :

अपनी फोटोग्राफी को अगले पायदान पर ले जाने के लिये आप को स्वयं को हमेशा एक नयी चुनौती देनी चाहिये। स्वयं को एक आंतरिक अंक-पत्र मानकर आप खुद को इसमें झोंक देना चाहिये। आज आपको कल से बेहतर फोटोग्राफर बनने की कोशिश करनी चाहिए।

मुझे आपको एक सशक्त फोटोग्राफर के रूप में देखना अच्छा लगता है। जब आप अपने दृश्य कार्य में तनाव, दबाव और तीव्रता बढ़ाते हैं तो आप स्वयं को सशक्त बनाते हैं। ज्यादा से ज्यादा चुनौतीपूर्ण और धमाकेदार फोटो खींचकर, माहिर फोटोग्राफर से बेहतर फोटो लेने की कोशिश कर के, महान कलाओं का अध्ययन कर के, और हमेशा फोटो खींच कर जिससे की आँखें तीक्ष्ण और सशक्त रहें आप जबरदस्त दृश्य व्यायाम करते हैं। प्रतिदिन फोटो खींचने के लिये साधारण कैमरे का उपयोग करें, आप अपने फोन का भी प्रयोग कर सकते हैं। हमेशा मजबूत बनिये। कभी भी कार्य के प्रति ढीले ना पड़िये।

कुछ विचार

1. अपनी सोशल मिडिया प्रोफाइल में स्वयं को दृश्य कलाकार कहिये। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. आप स्वयं को ढेर सारी खराब फोटो लेने दीजिये। दिन भर में कम से कम 100 खराब फोटो खींचने की कोशिश करिये, इस में से कम से कम एक तो अच्छी फोटो निकलेगी ही।
3. ऐसी जगह फोटो खींचिये जहाँ आपको डर लगता है। लोगों से आज्ञा लेकर कुछ स्ट्रीट फोटो खींचिये।

कार्य : सिढ़ियों पर पिछे मुड़ता आदमी

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024

‘ एक वास्तविक तस्वीर को शब्दों में समझाया जाने की आवश्यकता नहीं है - एन्सल एडम्स

ब्राइडल पोर्ट्रेट है वेडिंग फोटोग्राफी का सार

ब्राइडल फोटोग्राफी करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे सुन्दर और अच्छी तस्वीरें बनें

विकास बाबू
मेंटर फूजीफिल्म

ब्राइट हो ब्राइडल फोटोग्राफी

ब्राइडल फोटोग्राफी वेडिंग फोटोग्राफी का सबसे महत्वपूर्ण पल होता है क्योंकि दुल्हन बनना हर लड़की का सपना होता है और उसके इस महत्वपूर्ण पल को हमेशा के लिए खूबसूरत बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही वजह है कि मेकअप से लेकर ड्रेस और हेयरडू तक में ब्राइडल फोटोग्राफी महत्वपूर्ण रोल अदा करती है। यह बेहद निजी और प्राइवेट फोटोग्राफी है। ऐसे में जरूरी है कि ब्राइडल फोटोग्राफी के दौरान आप बेहद विनम्र और पेशेवर तरीके से पेश आएं। बेहद आसान नजर आने वाली ब्राइडल फोटोग्राफी इतनी भी असान नहीं जितनी आप समझ रहे हैं क्योंकि शादी जैसे महत्वपूर्ण मौके पर कभी पैरेंट्स तो कभी भाई-बहन और रिश्तेदार से आपका सामना होगा जो आपको हर वक्त जल्दबाजी में नजर आएंगे। इस दौरान उनके मूड को समझना जरूरी है।

सही समय का इंतजार करें

शादी के मौके पर हर चीज परफेक्ट होने का लड़की वालों पर दबाव होता है। ऐसे में कई बार घर के सदस्य अपना धीरज खो बैठते हैं। ऐसी परिस्थियों में जरूरी है कि आप धीरज रखें और स्थितियां सामान्य होने का इंतजार करें क्योंकि तनाव के माहौल में आपका खास तरह से फोटो खींचने के लिए किसी को गाइड करना संवेदनहीनता को दर्शाता है। यह वह मौका होता है जब दूल्हा अपनी दुल्हन को नहीं देखता और दुल्हन इस मौके को लगभग भूल चुकी होती है। ऐसे में शादी के बाद जब वह आपकी खूबसूरत तस्वीरें देखेगी तो निश्चित रूप से खुश हो उठेगी। हो सकता है कि एक समय ऐसा भी आए कि कपड़े चेंज करने या फिर किसी अन्य कारणों के चलते कमरे से बाहर रहने के लिए कह दिया जाए। एक बार दुल्हन कपड़े पहनकर तैयार हो जाए तो आप दोबारा अपना काम कर सकते हैं। दुल्हन को सजाती उसकी मां से लेकर दूसरी तरह की शानदार फोटोज क्लिक कर सकते हैं। मेकअप के दौरान अगर दुल्हन को सामने से क्लिक नहीं कर सकते हैं तो मिरर का इस्तेमाल करें।

अपने इक्युपमेंट्स की पहचान करें

हर वेडिंग फोटोग्राफर का फोटोज क्लिक करने का अलग तरीका होता है। ऐसे में नए फोटोग्राफर्स के लिए न सिर्फ अपना स्टाइल डेवलप करना जरूरी है बल्कि अपने इक्युपमेंट्स की पहचान और पूर्ण इस्तेमाल की जानकारी होना जरूरी है। वेडिंग फोटोग्राफी के दौरान आपको यह जानकारी होना जरूरी है कि कौन सा बटन कहाँ है और किसी भी सेटिंग में तेजी से बदलाव कैसे किया जा सकता है जैसे कि : **आईएसओ, एपर्चर, शटर स्पीड, फ्लैश कंपनसेशन, एक्सपोजर कंपनसेशन, व्हाइट बैलेंस**

इस तरह की सेटिंग्स बदलते हुए यह भी याद रखें कि आपने कौन सी सेटिंग्स बदल दी है और उन्हें वापस बदलने के लिए याद रखें। ब्राइडल फोटोग्राफी के दौरान इनडोर और आउटडोर शूट की जरूरत होती है। ऐसे में इस बात का खास ख्याल रखें कि इनडोर यानि लो लाइट में आईएसओ बढ़ा लें वहीं आउटडोर यानि अधिक लाइट में आप कम आईएसओ पर आसानी से शूट कर सकते हैं। ब्राइडल फोटोग्राफी लंबे समय तक चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में सेटिंग्स या कैमरों को लगातार जानना और लगातार बदलना होता है। किसी भी स्थान पर घर के भीतर शूटिंग करते समय सबसे अच्छी मिलने वाली लाइट का इस्तेमाल करने की कोशिश करें क्योंकि इस दिन खास दिखने के लिए दुल्हन ने महीनों तैयारी की होगी।

ब्राइडल फोटोग्राफी - कैमरे और लेंस

ब्राइडल फोटोग्राफी के दौरान हमेशा एक बैक अप कैमरा रखें क्योंकि शादी जैसे महत्वपूर्ण मौके पर अगर एक कैमरा काम करना बद कर दे तो दूसरा ऑप्शन आपका काम बिगड़ने से बचा सकता है। इस तरह के मौकों पर रीटेक का आप्शन नहीं मिलता है। ब्राइडल फोटोग्राफी के लिए प्राइम लेंसज जैसे 85mm व 70-200, f2.8 लेंसेज का इस्तेमाल पोर्ट्रेट व मूड्स कैप्चर करने के लिए बेहतर विकल्प हैं। बैकग्राउंड व ऐम्बियंस के साथ शूट करने के लिए वाइडर लेंस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ब्राइडल फोटोग्राफी में आईएसओ व फ्लैश का इस्तेमाल

ब्राइडल फोटोग्राफी करते वक्त एंबियंस व अवेलबल लाइट का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इनडोर में लाइटिंग सेटअप के लिए अलग से जगह और उसे हैंडल करने के लिए एक व्यक्ति की आवश्यकता होती है। वहीं एंबियंस और अवेलबल लाइट का इस्तेमाल कर आप तस्वीरों में नेचुरैलिटी ला सकते हैं। विंडो लाइट के इस्तेमाल से आप कलात्मक फोटो शूट कर सकते हैं। इस दौरान अगर एंबियंस लाइट का आपको ज्यादा साथ नहीं मिल पा रहा है तो आवश्यकता अनुसार आईएसओ बढ़ाकर फोटोशूट किया जा सकता है। अगर आईएसओ के इस्तेमाल से भी बात न बने तो आप लाइट मॉडिफायर्स का इस्तेमाल फ्लैश के साथ कर सकते हैं। जो कि आपको कलात्मक फोटोज खींचने में मदद करेगा और आप परंपरागत फोटोग्राफी से बेहतर पिक्चर क्रिएट कर सकते हैं।

वेन्यू पर ब्राइडल फोटोग्राफी

वेन्यू पर दुल्हन की स्टेज पर एंट्री से पहले आप अपनी जगह सुनिश्चित कर लें जहां से आप उसकी बेहतर पिक्चर क्लिक कर सकें। ऐसे में सबसे पहले दुल्हन की स्टेज पर एंट्री जैसे महत्वपूर्ण पलों को कैप्चर करना न भूलें। दुल्हन के स्टेज पर पहुंचने के बाद आप उसके अलग-अलग मूड को कैप्चर कर सकते हैं। जयमाल के वक्त दुल्हा और दुल्हन के जानने वाले मोबाइल से तस्वीरें लेने की होड़ में लग जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप स्थिति सुनिश्चित करें और इस तरह फोटोज खींचें ताकि उसमें किसी तरह की डिस्टरबेंस न नजर आए। इसके अलावा उसके माता-पिता से लेकर भाई-बहन और रिश्तेदारों के मिलने जैसे महत्वपूर्ण क्षणों को भी क्लिक करें। दुल्हन को उसके दोस्तों और माता-पिता के साथ अलग से पोज करा सकते हैं। यह उसके लिए नॉर्मल तस्वीरों से अलग व खास होगी। इसके अलावा फेरों के दौरान भी आपके पास अच्छी फोटोज क्लिक करने का मौका होता है। इतना ही नहीं फेरों के अलावा विदाई के दौरान आपकी कला का टेस्ट होता है क्योंकि हर कोई सीरियस या गमगीन नजर आता है लेकिन यह पल शादी के सबसे महत्वपूर्ण पल होते हैं। इसमें ब्राइड के पिता या फिर मां से मिलना या उसकी आंखों में आंसुओं को आप जितनी बेहतर और अच्छे ढंग से क्लिक करेंगे तस्वीर उतनी ही जानदार होगी। विदाई की तस्वीरें ही तय करेंगी कि आपने कितनी मेहनत की है या फिर फोटोज कितनी बेहतर तरीके से क्लिक की हैं।

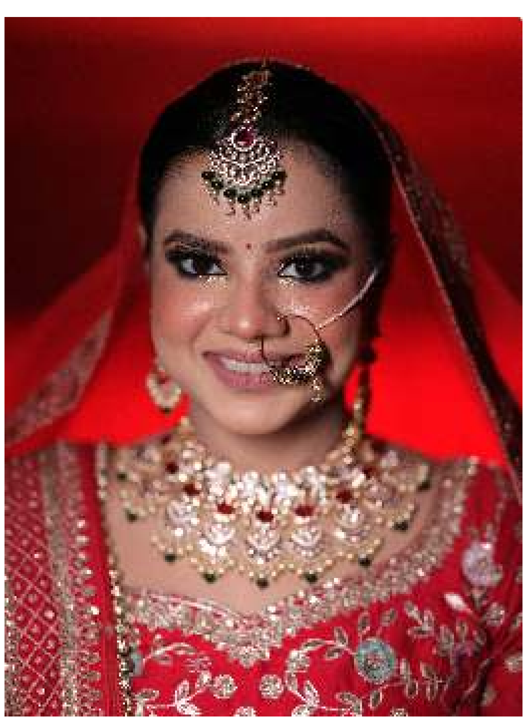

महान विभूतियाँ

डोरोथिया लैंग
(26 मई 1895 - 11 अक्टूबर 1965)

डोरोथिया लैंग

डोरोथिया लैंग अमेरिका की एक फेमस फ़ोटोग्राफ़र और फ़ोटो जर्नलिस्ट थीं, इन्हें खासकर डिप्रेशन-युग के वक्त ली गई तस्वीरों के लिए जाना जाता है, जो फार्म सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के लिए खींची गयी थीं। लैंग की ये तस्वीरें ना सिर्फ बहुत अद्भुद हैं, बल्कि उन्होंने लोगों को दिखाया कि महामंदी के दौरान जीना कितना मुश्किल होता है।

डॉरोथिया लैंग का जन्म अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में, होबोकेन नाम के एक शहर में हुआ था। लैंग के माता-पिता जर्मनी से आए थे, वो भी दूसरी पीढ़ी के, माँ का नाम जोहानना लैंग और पिता का नाम हेनरिक नटज़हॉर्न था। उनका एक छोटा भाई था जिसका नाम मार्टिन था। लैंग की जिंदगी में दो घटनाओं ने उनके ऊपर बड़ा असर डाला जिसने उन्हें फोटोग्राफर बनने के मार्ग को आकार दिया। पहली घटना, सात साल की उम्र में उन्हें पोलियो हो गया, जिससे उनका दाहिना पैर कमज़ोर हो गया और वे हमेशा के लिए लंगड़ाने लगीं। लैंग ने एक बार अपनी बदली हुई चाल के बारे में कहा था, "इसने मुझे बना दिया, मेरा मार्गदर्शन किया, मुझे निर्देश दिए, मेरी मदद की और साथ-साथ मुझे अपमानित भी किया।" "मैं इससे कभी उबर नहीं पाई, और मुझे इसकी ताकत और शक्ति का भी एहसास है।" दूसरी बड़ी घटना, पाँच साल बाद, उनके पिता ने परिवार को छोड़ दिया, जिसके कारण उन्हें न्यू जर्सी के उपनगरीय इलाके से न्यूयॉर्क शहर के एक गरीब इलाके में रहने के लिए जाना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने पिता के पारिवारिक नाम को छोड़ दिया और अपनी माँ का पहला नाम अपना लिया।

Drought Refugees 1935

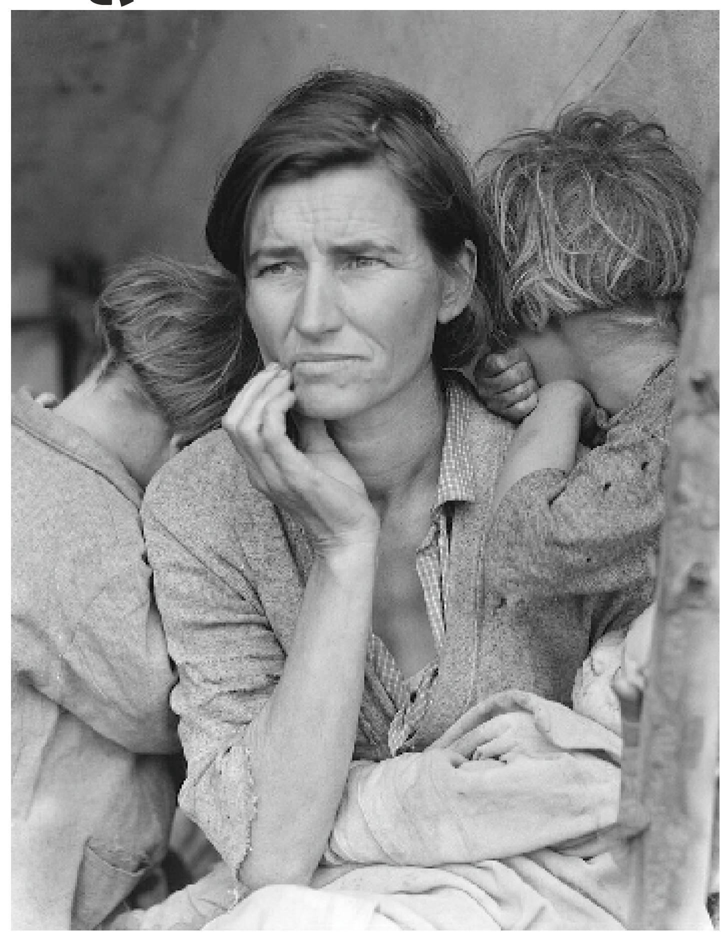

Lange's iconic 1936 photograph of Florence Owens Thompson, Migrant Mother

लैंग ने स्नातक की उपाधि न्यूयार्क के वडले हाई स्कूल फॉर गर्ल्स से प्राप्त की; गौर करने वाली बात ये है कि उस वक्त तक उन्होंने कभी कैमरा न तो खरीदा था और न ही इस्तेमाल किया था, लेकिन लैंग ने पहले ही तय कर लिया था कि वह एक फ़ोटोग्राफ़र बनेंगी। लैंग ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में क्लेरेंस एच. व्हाइट के मार्गदर्शन में फ़ोटोग्राफ़ी का अध्ययन शुरू किया, और बाद में न्यूयार्क के कई फोटोग्राफी स्टूडियों में अनौपचारिक प्रशिक्षण लिया, जिसमें से एक अर्नोल्ड जेंटहे का स्टूडियों प्रमुख है।

1918 में, लैंग ने दुनिया घूमने के इरादे से एक महिला मित्र के साथ न्यूयॉर्क से निकल पड़ीं, लेकिन रास्ते में लूट ली गयीं जिससे उनका ये प्लान बरबाद गया। इसके बाद वह सैन फ्रांसिस्को में जाकर बस गईं जहाँ उन्हें एक फ़ोटोग्राफ़ी की दुकान में 'फ़िनिशर' के रूप में काम मिला। वहाँ, लैंग की अन्य फ़ोटोग्राफ़रों से जान-पहचान हुई और एक निवेशक से उनकी मुलाक़ात हुई जिसने उन्हें एक सफल पोर्ट्रेट स्टूडियो स्थापित करने में मदद की। 1920 में, उन्होंने प्रसिद्ध पश्चिमी चित्रकार मेनार्ड डिक्सन से शादी की, जिनसे उनके दो बेटे हुए, डैनियल, जिसका जन्म 1925 में हुआ और जॉन, जिसका जन्म 1930 में हुआ। अगले पंद्रह सालों तक लैंग के स्टूडियो व्यवसाय ने उनके परिवार का भरण-पोषण किया। इस दौरान उनका ज्यादातर काम स्टूडियों में ही पोर्ट्रेट फोटोग्राफी करना था, खासकर सैन फ्रांसिस्को के उच्च समाज के लोगों का। लेकिन फिर महामंदी आने के साथ ही उनका कैमरा स्टूडियो से निकलकर सड़कों की तरफ घूम गया।

दुनियाभर में महामंदी का दौर चल रहा था। 1933 में अमेरिका में करीब डेढ़ करोड़ लोग बेरोजगार थे। कई लोग बेघर हो गए थे, इधर-उधर भटक रहे थे, उनके पास

Roward Los-angeles California 1937

Children at the Weill Public School in San Francisco pledge allegiance to the American flag in April 1942, prior to the internment of Japanese Americans

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024

कभी-कभी सरल चित्र प्राप्त करना सबसे कठिन होता है - नील लेफर

Elderly woman county clare Ireland 1954

Damaged child shacktown-elm-grove Oklahoma 1936

Shipyard worker Richmond California 1943

Near Westley California 1938-1965

खाने के लिए भी ठीक से नहीं था। ऊपरी-मध्यपश्चिम और दक्षिण-पश्चिम इलाकों में सूखे और धूल भरी आंधियों ने आर्थिक तबाही को और बढ़ा दिया था। 1930 के दशक में करीब 3 लाख लोग - महिलाएं, बच्चे और मर्द - काम की तलाश में पश्चिम की ओर, कैलिफोर्निया की तरफ पलायन कर गए। इन प्रवासी परिवारों को अपमानजनक तौर पर "ओकीज़" (ओकलाहोमा से आए लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) कहकर पुकारा जाता था, भले ही वे असल में कहीं से भी आए हों। ये लोग पुरानी, जर्जर कारों या ट्रकों में सवार होकर इधर-उधर घूम रहे थे, फसलों के पीछे-पीछे एक जगह से दूसरी जगह जा रहे थे।

लैंग ने इन बदकिस्मत लोगों की तस्वीरें लेना शुरू किया। उन्होंने अपना स्टूडियो छोड़ दिया और कैलिफोर्निया की सड़कों और रास्तों पर उनकी जिंदगी को कैमरे में कैद करना शुरू कर दिया। वे अपने कैमरे के साथ छोटी सड़कों पर घूमती रहीं, महामंदी की सामाजिक और आर्थिक उथल-पुथल को अपनी तस्वीरों में दर्शाती रहीं। यहीं पर लैंग को एक फोटोग्राफर के रूप में अपना मकसद और दिशा मिली। अब वे सिर्फ पोर्ट्रेट बनाने वाली फोटोग्राफर नहीं रहीं, लेकिन वे फोटोजर्नलिस्ट भी नहीं थीं। इसके बजाय, लैंग को एक नए तरह की फोटोग्राफी की शुरूआत करने वालों में से एक माना जाने लगा - "डॉक्यूमेंट्री" फोटोग्राफर।

अपनी तस्वीरों के लिए लोगों से बात करते समय लैंग ने अपने कुछ खास तरीके विकसित किए थे। उनकी कोशिश रहती थी कि लोग कैमरे के सामने सहज हों ताकि उनके साथ हुई बातचीत को भी तस्वीरों के साथ लिखा जा सके। ये बातचीत काफी अहम होती थीं क्यूंकि इनसे तस्वीरों का मतलब और गहरा हो जाता था। लैंग अक्सर तस्वीरों को जो शीर्षक और टिप्पणियां देती थीं, उनमें से कई बार उनके विषयों के बारे में निजी जानकारी भी सामने आ जाती थी।

लैंग ने अपने पहले पति डिक्सन को 28 अक्टूबर, 1935 को तलाक दे दिया और 6 दिसंबर को उन्होंने अर्थशास्त्री पॉल शुस्टर टेलर से शादी कर ली, जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर थे। अगले पांच सालों तक वे कैलिफोर्निया तट और मध्यपश्चिम क्षेत्र में घूमते रहे। अपनी यात्राओं के दौरान उन्होंने ग्रामीण गरीबी का दस्तावेजीकरण किया, खासकर बटाईदार किसानों और प्रवासी मजदूरों के शोषण का। टेलर लोगों से साक्षात्कार करते थे और आर्थिक आंकड़े इकट्ठा करते थे, वहीं लैंग तस्वीरें लेती थीं और उनके साथ सहायक जानकारी भी जुटाती थीं। वे पूरी जिंदगी बर्कले में ही रहे और वहीं से काम करते रहे।

Resettlement Administration और Farm Security Administration के लिए काम करते हुए, लैंग की तस्वीरों ने गरीबों और भुला दिए गए लोगों की दुर्दशा को लोगों के सामने ला खड़ा किया - खासकर बटाईदार किसानों, अपने खेतों से बेदखल किए गए परिवारों और प्रवासी मजदूरों को। लैंग की तस्वीरें पूरे देश के अखबारों में छापी गईं, और ये मार्मिक तस्वीरें उस दौर की पहचान बन गईं।

1945 में, प्रसिद्ध लैण्डस्केप फोटोग्राफर एन्सल एडम्स ने लैंग को कैलिफोर्निया स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स (CSFA) में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया, जिसे अब सैन फ्रांसिस्को आर्ट इंस्टीट्यूट (SFAI) के नाम से जाना जाता है। यह विभाग अमेरिका में ललित कला फोटोग्राफी पढ़ाने वाला पहला विभाग था।

अपने जीवन के अन्तिम दशक में लैंग का स्वास्थ्य खराब हो गया था। अन्य बीमारियों के अलावा वह जिस बीमारी से अधिक पीड़ित थी, इसे बाद में पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम के रूप में पहचाना गया था। 11 अक्टूबर, 1965 को सत्तर साल की उम्र में सैन फ्रांसिस्को में ओसोफेजियल कैंसर से उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार में उनके दूसरे पति पॉल टेलर, दो बच्चे, तीन सौतेले बच्चे और कई पोते-पोतियाँ और परपोते-परपोतियाँ थे।

न्यूयॉर्क शहर के आधुनिक कला संग्रहालय (Museum of Modern Art) ने डोरोथिया लैंग की मृत्यु के तीन महीने बाद, उनकी तस्वीरों की एक बड़ी प्रदर्शनी लगाई थी, जिसे तैयार करने में खुद लैंग ने भी अपने जीवनकाल में मदद की थी। गौर करने वाली बात ये है कि ये प्रदर्शनी किसी महिला फोटोग्राफर की तस्वीरों की MoMA में पहली एकल प्रदर्शनी थी। फरवरी 2020 में, MoMA ने फिर से लैंग के कामों को "डोरोथिया लैंग: वड्र्स एंड पिक्चर्स" शीर्षक के साथ प्रदर्शित किया।

A very blue eagle along california highway
November 1936 from the series day sleeper

The road west new Mexico

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

फूड फोटोग्राफी एडं स्टाइलिंग

एक परिचय

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

समय के साथ खाद्य जगत में बहुत सारे बदलाव आये है। जो उद्योग अब तक सिर्फ कुकिंग, बेकिंग या खाद्य संरक्षण से जुड़े कैरियर्स के लिए ही जाना जाता था आज डिजिटल ने उसको बुलंदियों पर पहुँचा दिया है। फूड डिलीवरी एवं पिक्चर शेयरिंग एप्स ने फूड इंडस्ट्री को न सिर्फ नया आयाम दिया है परन्तु उससे जुड़े कई नए कैरियर्स के भी रास्ते खोले हैं। प्रतिदिन खुलने वाले नए कैफ़े, रेस्टोरेंट्स और रोज़ लांच होने वाले फूड प्रोडक्ट्स ने खूबसूरत फूड फोटोज की ज़बरदस्त डिमांड बढ़ा दी है जिसकी वजह से फूड फोटोग्राफी और फूड स्टाइलिंग जैसे कई अपरंपरागत कैरियर्स में भी कई गुना इजाफा हुआ है। कुछ वर्षो पहले तक जहाँ फूड फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी या टेबल टॉप फोटोग्राफी का ही अंश हुआ करती थी आज अपने आप में एक अलग लोकप्रिय रचनात्मक शैली बन चुकी है।

We eat with our eyes first - यह कहावत फूड जगत में बहुत ही लोकप्रिय है। कहते हैं कि हम भोजन पहले आँखों से चखते हैं, सुनने में अटपटा सा ज़रूर लगता हैं परन्तु यह सत्य है, वैज्ञानिक शोध भी यही कहते हैं कि हम भोजन खाने में 3 इन्द्रियों का प्रयोग करते हैं, क्रमशः जीभ - स्वाद के लिए, नाक - सुगंध के लिए और आँखें - खाद्य पदार्थ का रंग रूप देखने के लिए। खाद्य चित्रों में आँखों का बड़ा योगदान होता है और वह हमारी अन्य दोनों इन्द्रियों को सक्रिय कर देते हैं। इसको उदहारण के साथ समझाना ज़्यादा आसान होगा - उस लोकप्रिय फ़ास्ट फूड चेन के बर्गर की कल्पना कीजिये जिसको होर्डिंग में देखते ही आपके मुँह में पानी आ जाता है - नरम बन की दोनों परतो के बीच टिक्की, पिघलती हुई चीज़, सुर्ख लाल टमाटर के स्लाइसेस, ताज़े हरे सलाद के पत्ते और इन सब के किनारो से टपकता हुआ मेयोनेज़ - ऐसी पर्फेक्ट्ली स्टाइल्ड एंड क्लिकेड पिक्चर ने कितनी बार आपको बर्गर आर्डर करने पे मजबूर किया होगा। ठीक इसी तरह से सारे ही खाद्य पदार्थो की मनमोहक तस्वीरें खींची जाती है ताकि आप उन्हें खरीदना चाहें।

सरल शब्दों में यदि बोला जाये तो फूड फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी या टेबल टॉप फोटोग्राफी का ही एक अंग है परन्तु फूड के बढ़ते प्रचलन से यह स्वयं में एक अलग स्वतंत्र उपभाग बन गया है। फोटोग्राफर के साथ एक फूड स्टाइलिस्ट का भी फूड को मनमोहक बनाने में उतना ही सहयोग होता है। जहाँ एक स्टाइलिस्ट (स्वतंत्र कार्य करके या एक शेफ के साथ टीम करके) फूड को कैमरे के लिए प्रजेंटेबल बनाता है वहीं एक फोटोग्राफर अपने कुशल कार्य क्षमता से सर्वोत्तम लाइट एंड कैमरा एंगल का इस्तेमाल करके उसकी खूबसूरती को चार चाँद लगाता है। अक्सर लो बजट शूट्स में फोटोग्राफर स्टाइलिस्ट का भी कार्य भार संभालता है और अपने एक्सपीरियंस के अनुसार प्लेटिंग और प्रेजेंटेशन करता है।

समय के साथ खाद्य उद्योग में बहुत बदलाव आया है, ठीक उसी तरह से जैसे वैरायटी के लिए हम पारम्परिक व्यंजनों के साथ-साथ मल्टीकुजिन व्यंजनों का आनंद लेने लगे हैं, फोटोग्राफी की पारम्परिक शैलियों में भी काफी बदलाव आया है। 1950-60 में फूड फोटोग्राफी के नाम पे संपूर्ण टेबल या बड़े सर्विंग कंटेनर को खूब

सजा संवार के प्रस्तुत किया जाता था, 1970-80 सुर्ख सफ़ेद क्राकरी और विस्तृत वेजिटेबल कार्विंग का रहा। 1980 के बाद फूड फोटोग्राफी में बहुत बदलाव् आए। वाइट स्पेस को काफी इम्पोर्टेंस दी जाने लगी, छोटे सर्विंग साइज को ध्यान में रखते हुए ही प्लाटिंग की जाने लगी, काफी दशकों से इस्तेमाल हो रहे ओवरहेड पर्सपेक्टिव, स्ट्रांग लाइट और नैरो अपर्चर की जगह सॉफ्ट डिफ्यूज़्ड लाइट, शैलो अपर्चर और कलात्मक एंगल्स का काफी उपयोग होने लगा।

डिजिटल फोटोग्राफी और इंटरनेट एरा शुरू होते ही फूड फोटोग्राफी में भी क्रांति सी आ गयी और फूड फोटोग्राफी अपने आप में एक नयी स्ट्रीम बन गयी। खाद्य पदार्थ या व्यंजनों के आलावा काफी अतिरिक्त सामग्री भी इस्तेमाल की जाने लगी। नयी शताब्दी कई नए डिजिटल आयामों के साथ आयी और उनमे से एक था ब्लागिंग। फूड ब्लाग्स ने नया फूड कल्चर शुरू कर दिया और देखते ही देखते रेस्टोरेंट्स, कैफ़े, फूड मैगजीन्स और डिजिटल एडवरटाइजिंग में भी बहार आ गयी और फूड फोटोग्राफी फूड बिज़नेस का एक महत्त्वपूर्ण अंग बन गयी।

खाद्य फोटोग्राफी की प्रक्रिया छवि के उपयोग / उद्देश्य को समझने के साथ शुरू होती है। सबसे पहले यह जानना बहुत महत्त्वपूर्ण है कि छायाचित्र का उपयोग कहा होना है - विज्ञापन में, पैकेजिंग के लिए, किसी पत्रिका या कुकबुक के लिए या फिर डिजिटल मीडिया के लिए। इसके बाद आता है शूट को विज्युलाइज करने का काम जिसके लिए एक स्टोरी बोर्ड या फिर एक रफ़ लेआउट बनता है। यदि शूट किसी एडवरटाइजिंग एजेंसी के लिए हो रहा है तो यह कार्य मूलतः उस ब्रांड को हैंडल करने वाला आर्ट डायरेक्टर करता है जिसे बखूबी पता होता है कि चित्र कहाँ और कैसे इस्तेमाल होना है। इसके बाद शुरू होता है फोटोग्राफर और उसकी टीम का काम (जिसमें अक्सर क्लाइंट बजट के अनुसार एक फूड स्टाइलिस्ट या फिर शेफ होता है, जिसे खाद्य पदार्थ को मनमोहक स्वरूप देने में और सहयोगी सामग्रियों इत्यादि का चयन करने में महारत हासिल होती है)। यदि फूड फोटोग्राफर को स्टाइलिंग, अतिरिक्त सामग्रियों के चयन इत्यादि की अच्छी जानकारी है तो अकसर वह यह दोनों ही कार्य बखूबी निभा लेता है।

फूड फोटोग्राफी की सबसे मुख्य क्वालिटी है खाद्य पदार्थ की खूबसूरती के साथ-साथ उसका टेक्सचर मेनटेन करना जिसमें लाइट एक बहुत ही एहम भूमिका निभाती है।

फूड फोटोग्राफी की पूरी प्रक्रिया काफी लम्बी होती है। शूट शुरू होने के पहले सबसे अच्छे आकार और लुक्स वाले खाद्य पदार्थ को फाइनल शॉट के लिए अलग रख लिया जाता है, इसे 'हीरो फूड' नाम से सम्बोधित किया जाता है। संपूर्ण सेटअप बनने के बाद लाइट्स को सेट किया जाता है, इस दौरान कम अच्छे दिखने वाले फूड्स को रख कर टेस्ट शॉट लिया जाता है, सब कुछ जब परफेक्ट होता है तो इन रखे हुए फूड्स को हटाकर 'हीरो फूड' रख के फाइनल पिक्चर खींची जाती है। स्टैंड इन फूड ठण्डे या जमे हुए खाद्य पदार्थ की फोटोग्राफी के दौरान बहुत इस्तेमाल किये जाते हैं। हाथो और स्टूडियो लाइट्स की गर्मी से कई फूड का टेक्सचर खराब हो जाता है ऐसे में भी स्टैंड इन फूड का बहुत उपयोग होता है। उन् शूट्स में जहाँ प्रोडक्ट जल्दी ख़राब नहीं होते अक्सर हीरो फूड के साथ ही सेटअप अरेंज किया जाता है। फूड फोटोग्राफी में पोस्ट प्रोसेसिंग की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है, रंग और टेक्सचर इम्प्रूव करने के आलावा अक्सर लेबल्स, भाप इत्यादि भी इसी दौरान ऐड किये जाते हैं।

"Great light can make the food whereas bad light can kill it" अर्थात अच्छी लाइट साधारण से दिखने वाले खाने को भी चार चाँद लगा सकती है जबकि खराब लाइट अच्छी तरह से तैयार एवं स्टाइल्ड खाने को भी बर्बाद कर देती है।

अन्य शैलियों की तरह फूड फोटोग्राफी में भी फोटोग्राफी के बेसिक नियम उपयोग किये जाते हैं और उन नियमो में से सबसे महत्वपूर्ण है लाइट का सही इस्तेमाल। सॉफ्ट डिफ्यूज्ड लाइट फूड फोटोग्राफी के लिए सर्वोत्तम होती है, जबतक कि आपको किसी ख़ास थीम के अंतर्गत हाई कंट्रास्ट एंड प्रमुख शैडो न दिखाने हो आप सॉफ्ट लाइट से सिंपल से फूड को भी मनमोहक बना सकते हैं। नेचुरल लाइट को भी डिफ्यूज करके उसे प्रयोग किया जा सकता है। प्रोफेशनल लाइट डिफ्यूजर्स के आभाव में सफ़ेद मलमल का हल्का कपडा, पैराशूट क्लॉथ या साधारण बटर पेपर को लाइट सोर्स के ऊपर लपेट के इस्तेमाल कर सकते हैं, शैडो एरिया को प्रोफेशनल रिफ्लेक्टर या वाइट/सिल्वर शीट से आसानी से रोशन कर सकते है।

अगर आप फूड फोटोग्राफी की शुरूआत कर रहे है तो यह प्वाइंट्स आपको एक अच्छी फोटो खींचने में मदद करेंगे।

- शुरूवात में सब्जेक्ट सिंपल रखिये
- सब्जेक्ट को ध्यान में रखते हुए क्राकरी, बैकग्राउण्ड और कैमरा एंगल चुनिए
- सॉफ्ट डिफ्युज्ड लाइट का उपयोग करिये
- अपर्चर shallow रखिये और खाद्य पदार्थ के सबसे महत्त्वपूर्ण /खूबसूरत एरिया पर फोकस कर क्लिक कीजिये।

इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने फूड फोटोज को एक नया आयाम दे सकते हैं।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024

एक अच्छी तस्वीर जानती है कि किस स्थान पर खड़ा होना है - एन्सल एडम्स

बरसात की तस्वीरें, स्मार्टफ़ोन के साथ

अतुल हुन्डू
वरिष्ठ फोटोग्राफर

बारिश का मौसम तस्वीरों की नई संभावनाए लेकर आता है। जिस समय ज़्यादातर फोटोग्राफर अपने घर से बाहर निकालने में हिचकते है आप अगर तैयार हैं तो आपके लिए उम्दा तस्वीरों के ढेर सारे मौके हैं। एक फोटोग्राफर के लिए ख़राब मौसम जैसा कोई मौसम नहीं होता, हर मौसम नई तरह की तस्वीरें लेने का एक नया मौका है।

बरसात में रोशनी पड़ने से जगमगाती सड़कें आकर्षक लगती हैं। किसी लैंडस्केप या ईमारत की तस्वीर लेते समय आसमान में छाए घने काले बादल किसी सामान्य सी तस्वीर को विशेष बना देते हैं।

बारिश के वक्त अक्सर रोशनी की कमी के अलावा पानी की तेज़ बौछार फोटोग्राफी में मुश्किल पैदा करती हैं। ऐसे में थोड़ी तैयारी के साथ सही एक्सपोज़र सेटिंग्स और कैमरा एंगल का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है।

अगर आप की किस्मत अच्छी हुई तो कभी-कभी बारिश और सूरज की रोशनी साथ-साथ मिल जाते हैं। ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन उस समय ली गई तस्वीरें बहुत अलग दिखती हैं।

मुख्यतः बारिश को 3 भागों में बाँट सकते हैं। हल्की महीन बूंदे, तेज़ बारिश और तेज हवा के साथ तूफानी बारिश।

1. हल्की बूंदा-बांदी में तस्वीरें लेना ज़्यादा मुश्किल नहीं होता।

2. तेज़ हवा के साथ हो रही बारिश में तस्वीरें लेना मुश्किल भरा होता है। समय-समय पर बारिश की दिशा भी हवा के साथ बदलती रहती है और आपके इंस्ट्रूमेंट के भीग जाने का खतरा बना रहता है। फिर भी हवा में झूमते पेड़ आदि की तस्वीरें ज़बरदस्त लगती हैं।

3. तेज़ हवा की तरह तेज़ बारिश में उतनी मुश्किल नहीं होती। सड़क पर आते-जाते वाहन, नियोन बोर्ड्स व शहर की जगमगाती इमारतें की रोशनी, पानी में भीगती हुई सड़क पर पड़ कर नई तस्वीरों की संभावनाए पैदा करती हैं। बस ज़रूरत है सावधानीपूर्वक अपने स्मार्टफोन को बारिश से बचा कर तस्वीरें लेने की।

आइए बात करें कि किस तरह बेहतर फोटोग्राफ क्लिक की जा सकती है -

■ फ्रेमिंग करते वक़्त तस्वीर में ड्रामा बढ़ाने के लिए तस्वीर को थोड़ा अंडर एक्सपोज़ किये जाने से रंग निखर आते हैं। बादलो में डिटेल बढ़ जाती है। एचडीआर इफेक्ट्स के साथ बादल घने-गहरे आते हैं। मैन्युअल या प्रो-सेटिंग्स में अलग-अलग (फ़ास्ट और स्लो) शटर स्पीड का चुनाव भी फोटो में अलग-अलग इफ़ेक्ट के लिए किया जा सकता है।

■ इन्द्रधनुष सिर्फ बारिश के बाद ही निकलता है। इंद्रधनुष की तस्वीर लेते वक़्त स्पॉट मीटरिंग का प्रयोग फायदेमंद हो सकता है। आप सही एक्सपोजर के लिए एक्सपोजर कंपनसेशन का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। पोलराइज़िंग फ़िल्टर का सही प्रयोग भी सैचुरेशन और कंट्रास्ट को बढ़ा सकता है। इसके लिए आप को आप को सर्कुलर पोलराइज़र को स्मार्टफ़ोन कैमरा के आगे हाथ में पकड़ कर इस तरह रोटेट करना होगा की इंद्रधनुष बेहतर और डिटेल्ड दिखाई दे।

■ पत्तो पर बूंदों की तस्वीरें भी फोटोग्राफी के लिए बढ़िया सब्जेक्ट है। आप बूंदों के मैक्रो शॉट भी ले सकते हैं।

■ बादलो की गरज के बीच चमकती आकाशीय बिजली को कैद करने का सबसे अच्छा तरीका है बिजली गिरने की दिशा का अनुमान लगा कर कैमरा को स्टैंड या किसी सपोर्ट की सहायता से टिका दिया जाए। स्मार्टफोन कैमरा में लॉन्ग एक्सपोजर सेट करें। आप प्रो-मोड/मैन्युअल सेटिंग्स में जा कर रोशनी के अनुसार 5 से 10 सेकंड से आस-पास शटर स्पीड का चुनाव करे। जिन स्मार्टफोन में लॉन्ग एक्सपोज़र को सेट करने की व्यवस्था नहीं है वो प्ले स्टोर से मैन्युअल कैमरा, कैमरा एम् एक्स जैसी ऐप चुन सकते है जो आप को लॉन्ग एक्सपोज़र पर तस्वीरें लेनी की सुविधा देती है। एक अच्छी तस्वीर के लिए आपको मल्टीपल शॉट्स क्लिक करना पड़ सकता है।

Pic : Rajesh Singh

■ बरसात में मस्ती करते लोग (खास तौर पर बच्चे) फोटोग्राफी के लिए अच्छा सब्जेक्ट हो सकते है। उनके हाव-भाव और एक्शन्स को तस्वीरो में कैद कर बढ़िया तस्वीरें बनाई जा सकती है।

■ हल्की बारिश में फोटो में बूंदे आसानी से नहीं दिखती। ऐसे में सड़क पर बिखरे पानी में आसपास के राहगीर, इमारतों आदि के रिफ्लेक्शन भी आप के लिए अच्छे सब्जेक्ट हो सकते है। रिफ्लेक्शन में दिखते लोग तस्वीर में एक नया आकर्षण पैदा करते है। खासतौर पर रात में रंगीन रोशनियों के रिफ्लेक्शन और भी अदभुद लगते हैं। इसके लिए सही एंगल, व्यू पॉइंट व एक्सपोजर सेटिंग्स का चुनाव करें। तस्वीरें बैठ कर लेना एक अच्छा तरीका है। एडिटिंग के वक़्त आप तस्वीर को 180 डिग्री पर घुमा भी सकते हैं। इससे तस्वीर ज़्यादा प्रभावशाली लगती है।

■ रिफ्लेक्शन क्लिक करते वक़्त सबसे महत्वपूर्ण बात है फोकसिंग पॉइंट का चुनाव। सड़क की जगह रिफ्लेक्शन में दिख रहे सब्जेक्ट पर फोकस करें। सड़क को अगर फोकस में रखा तो रिफ्लेक्शन में दूर दिख रहा सब्जेक्ट आउट ऑफ़ फोकस हो जाएगा।

■ आसमान में चाहे घने काले बादलों की फार्मेशन हो या बादलों से झांकती सूरज की रोशनी या फिर उनके बीच दिखता नीला आसमान यह सभी फोटोग्राफर के लिए विशेष आकर्षण है।

■ सड़क पर भरे पानी में गुज़र रहे वाहन से उछल कर बिखरता पानी भी एक अच्छा सब्जेक्ट है लेकिन ध्यान रखें कि इसमें आप के भीग जाने का भी खतरा बना रहता है।

■ कार या खिड़की पर पड़ी पानी की बूंदो को फोकस में रख करके बैकग्राउंड सीन को आउट ऑफ़ फोकस करना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। बूंदे एब्स्ट्रैक्ट फोटोग्राफी के लिए अच्छा सब्जेक्ट भी हैं। बारिश की बूंदे लेंस की तरह भी काम करती हैं।

■ रोशनी के विपरीत दिशा से (अगेंस्ट लाइट सिचुएशन) फोटो लेने पर बारिश की बूंदे ज़्यादा बेहतर दिखाई देती हैं। इसके लिए सूरज या किसी लैम्पपोस्ट या किसी वाहन की रौशनी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

■ बारिश में धुली शहर की इमारतें, स्मारक और शहर की स्काइलाइन की तस्वीरें बेहतरीन आती हैं। कभी-कभी बारिश के तुरंत बाद बादलों से छन कर आती मुलायम रोशनी फोटोग्राफ में नयापन जोड़ देती हैं।

■ नेचर फोटोग्राफी के शौकीन बारिश के मौसम में तरह-तरह के कीड़े, तितलियाँ, मेंढ़क और मशरूम आदि भी शूट कर सकते हैं। यह सभी केवल मानसून में ही मिलते हैं।

आइए जाने की बारिश के इस मौसम में स्मार्टफोन को भीगने से बचाने के लिए क्या-क्या सावधानियां बरतें -

1. सबसे पहली और ज़रूरी बात है साथ में छाता रखना। छाता अगर रंग बिरंगा हो तो और अच्छा है। बारिश से बचने के अलावा ज़रूरत पड़ने पर उसे तस्वीर में शामिल भी किया जा सकता है।
2. ज़िप पाउच या पाली रैप का प्रयोग करें और स्मार्टफ़ोन को उसमे रखने के बाद कैमरा लेंस वाली जगह पर छेद कर लें।
3. गुब्बारे को मोबाइल स्किन की तरह प्रयोग कर सकते हैं।
4. अपनी जेब में हमेशा एक छोटा तौलिया या कपडा रखें।
5. सही स्थान का चुनाव भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। जैसे किसी पोर्च या किसी शेड के नीचे से बिना भीगे आसानी से तस्वीर ली जा सकती है।
6. कार में बैठ कर तस्वीरें लेना बारिश में सबसे बेहतर है। आप अलग-अलग जगहों पर अपने हिसाब से एंगल का चुनाव कर सकते हैं।

वातावरण में जितना ड्रामा होगा तस्वीरें उतनी ही यादगार और कलात्मक बनेगीं। बस इन मुश्किल स्थितियों में ध्यानपूर्वक अपने स्मार्टफ़ोन को इस्तेमाल करना चाहिए। ध्यान रहे कि आप का स्मार्टफोन भीगे नहीं।

Pic : Shreedhar Emmadi

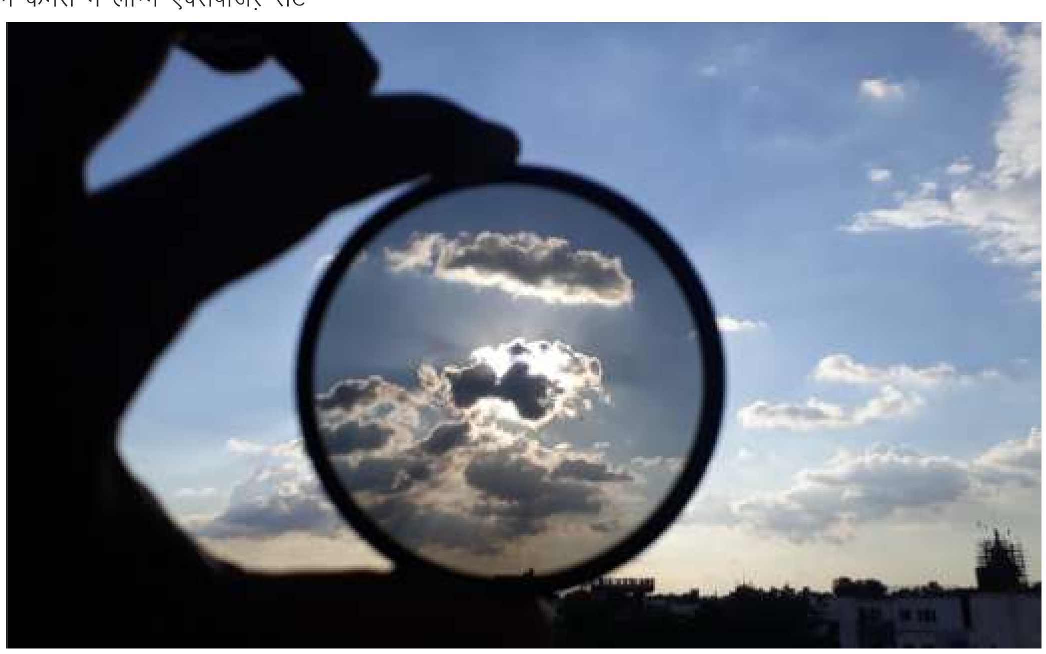

Pic : Gyan Shukla

Pic : Abhishek Verma

सारा खेल लाइट का है

लाइट में किसी फोटो की गुणवत्ता को बढ़ाने या बिगाड़ने की क्षमता होती है, अच्छी रोशनी के परिणामस्वरूप शानदार तस्वीरें आती हैं और खराब रोशनी खूबसूरत फोटो को बर्बाद कर सकती है।

आर. प्रसन्ना
फोटोग्राफर एवं मेंटर

लाइट में किसी फोटो की गुणवत्ता को बढ़ाने या बिगाड़ने की क्षमता होती है, अच्छी रोशनी के परिणामस्वरूप शानदार तस्वीरें आती हैं और खराब रोशनी खूबसूरत फोटो को बर्बाद कर सकती है। अच्छा प्रकाश कौशल अच्छी तस्वीर को एक शानदार फोटो में बदल देता है। प्रकाश कौशल एक वृहद विषय है। आगे बढ़ने से पहले हम लाइट के बारे में बुनियादी बातों को समझ लें।

एंगेल : कैमरा और विषय के बीच, प्रकाश का एंगेल उस फोटो के भिन्न परिणाम को तय करता है। प्रकाश कोण यह निर्धारित करता है कि फोटो कैसी आयेगी। प्रकाश का यह कोण ऊपर से हो सकता है, नीचे से हो सकता है यह फिर सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले 45 डिग्री के एंगेल से हो सकता है।

आकार : किसी फोटो की सॉफ्टनेस निर्धारित करने में उस पर पड़ने वाले प्रकाश का दायरा महत्वपूर्ण होता है। एक गुणे एक मीटर के आकार पर पड़ने वाले प्रकाश का परिणाम 60 सेंटीमीटर आकार पर पड़ने वाले प्रकाश से ज्यादा सॉफ्ट होगा । एक अनडिफ्यूज स्पीडलाइट का सर्फेस एरिया करीब दो स्क्वायर इंच होता है। मानव चेहरे का सर्फेस एरिया लगभग 40-60 वर्ग इंच होता है। इसलिए स्पीड लाइट से सॉफ्टलाइट का परिणाम पाने के लिए, सॉफ्टबॉक्स को उसके सामने रखा जाना चाहिए या उसे 5इन1 रिफ्लेक्टर किट से बड़े डिफ्यूजन पैनल के माध्यम से फायर किया जाना चाहिए। इस नियम को हमेशा याद रखा जाना कि किसी रेफ्लेक्ट करने वाली चीज की फोटो लेते समय प्रकाश का स्रोत उस वास्तु के दोगुने आकार का होना चाहिए।

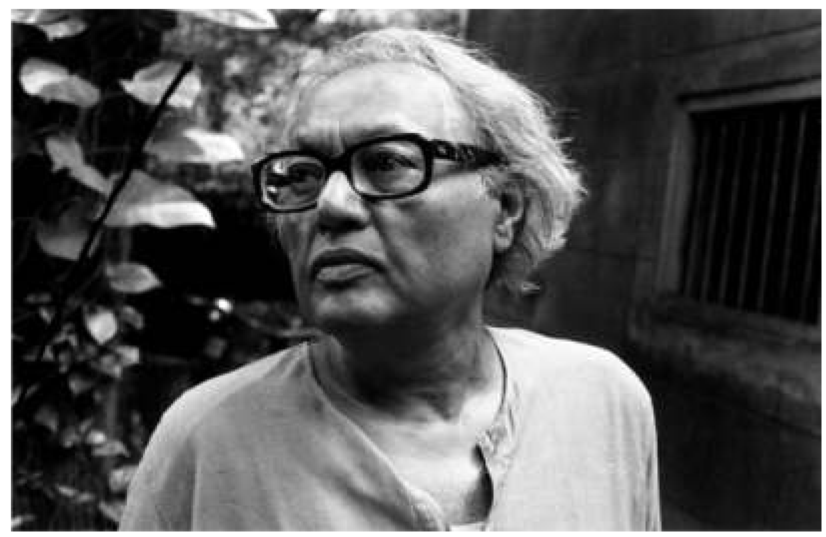

दूरी : मनचाहा परिणाम पाने में दूरी की प्रमुख भूमिका होती है। इसमें "इनवर्स स्क्वायर" नियम प्रमुख भूमिका निभाता है। प्रकाश को बहुत दूर रखने का नतीजा फ्लैटलाइटिंग के रूप में सामने आयेगा। सब्जेक्ट की छाया पर प्रकाश के अनुपात का भी बहुत असर पड़ता है। बहुत दूर से प्रकाश दिखाना फ्लैट प्रकाश व्यवस्था में परिणाम होगा। मॉडल से एक प्रकाश स्थिरता है, इस विषय पर प्रकाश की छाया पर प्रकाश डालने के अनुपात पर बहुत प्रभाव पड़ेगा, अन्यथा इसे गिरने के रूप में जाना जाता है।

गुणवत्ता : प्रकाश कौशल, प्रकाश की मात्रा की तुलना में प्रकाश की गुणवत्ता पर अधिक निर्भर करता है। प्रकाश की गुणवत्ता को चार भाग में वर्गीकृत किया जा सकता है -

1. दोपहर के सूर्य जैसा प्रकाश
2. सुबह या दोपहर के बाद तीसरे पहर का सुनहरा प्रकाश
3. स्पेक्युलर
4. ड़ीफ्यूज, यानी वैसा प्रकाश जब सूर्य बादलों के पीछे पीछे होता है

रंग : प्रकाश का रंग भी अच्छी फोटो प्राप्त करने में एक प्रमुख कारक होता है। बदली का रंग नीला होता है, सुबह रंग हल्का चमक भरा होता है और टंगस्टन लाइट लालिमा लिए होती है। इसी लिए अच्छी फोटो के लिए सही रोशनी और वाइट बैलेंस जरूरी है।

बाउंस या डायरेक्ट? बाउंसिंग लाइट सॉफ्ट लाइट प्राप्त करने का कारगर तरीका है। अगर आपके पास केवल एक स्पीडलाइट है तो पास की दीवार या छत पर फ्लैश को बाउंस करने से सॉफ्ट लाइट का परिणाम मिलेगा। उस सतह का रंग भी आपकी फोटो पर असर डालेगा। इसी लिए रंगीन के बजाय सफेद दीवार या छत जिस पर आप लाइट बाउंस करेंगे, अच्छा परिणाम देती है। बाउंस लाइट का भी एक रोचक इतिहास है, इसे पहली बार सत्यजीत राय की फिल्म में महान सिनेमेटोग्राफर सुब्रत मित्रा ने प्रयोग किया था। फिल्म का नाम था अपराजिता। यही कारण है कि मैं हमेशा अपने छात्रों से अच्छी फिल्में देखने को कहता हूँ।

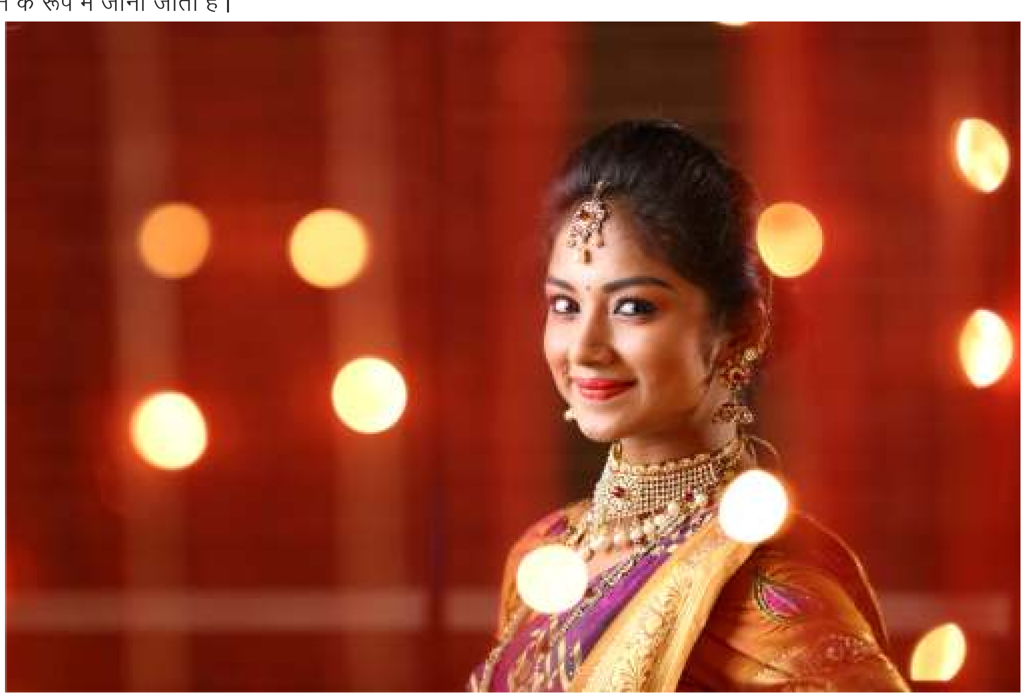

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024

दुनिया में ऐसी कई चीजें हैं जिनका चित्र अगर मैंने नहीं लिया होता तो मुझे लगता है दुनिया उन्हें देखने से वंचित रह जाती। - डायना अर्बुस

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर

भारत के 4.25 लाख करोड़ रूपये वाले वेडिंग इंडस्ट्री में एक नया अवसर

भारत के शादियों का उद्योग, जिसकी कीमत 4.25 लाख करोड़ रूपये है, में एक नया चलन देखने को मिल रहा है - वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर। हर साल 1 करोड़ से ज़्यादा शादियां होती हैं, और सोशल मीडिया पर तुरन्त शादी की खुशियाँ बाँटने का ट्रेंड तेज़ी से बढ़ रहा है। ये नया काम प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिए अपने हुनर को बढ़ाने का एक अच्छा मौका है। साथ ही, जो लोग फोटोग्राफी और सोशल मीडिया के शौकीन हैं, उनके लिए भी ये करियर का एक अच्छा रास्ता हो सकता है।

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर रचनात्मकता, टेक्निकल स्किल्स और डिजिटल मार्केटिंग की जानकारी को मिलाकर काम करते हैं। ये लोग शादी की यादों को सहेजने और दूसरों के साथ बाँटने का नया तरीका बना रहे हैं।

वेडिंग फोटोग्राफी की दुनिया में एक नया अवसर सामने आया है - 'वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर' की भूमिका। जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! आजकल बहुत से कपल अपनी शादी की तस्वीरें शादी के दौरान ही सोशल मीडिया पर शेयर करना चाहते हैं, इसीलिए ये काम अब काफी अहम हो गया है। ये तो हुआ, पर हाई-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें, शानदार एडिटेड वीडियो या छपे हुए वेडिंग एल्बम, ये सब तो चलता ही रहेगा। डिजिटल जमाने ने तस्वीरें बनाने और उन्हें देखने के तरीके को तो बदल दिया है, लेकिन तस्वीरों के प्यार को और भी बढ़ा दिया है।

पहले, कपल्स या उनके करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही सोशल मीडिया के लिए कंटेंट बनाते थे। लेकिन, अक्सर इन तस्वीरों में प्रोफेशनल क्वालिटी की कमी होती थी। ये कमी तस्वीरों की बनावट (composition) में, उन्हें लेने के तरीके (capture) में, एडिटिंग में और फिर अलग-अलग सोशल मीडिया साइट्स पर इन्हें सही डिस्क्रिप्शन (विवरण), टैग्स और हैशटैग्स के साथ पोस्ट करने के तरीके में होती थी।

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर का उदय

जैसा कि अच्छी क्वालिटी के कंटेंट की डिमांड बढ़ रही है, वैसे ही शादियों में भी अब सोशल मीडिया मैनेजर की ज़रूरत तेजी से बन रही है। कपल्स अब इस सर्विस के लिए उतना ही पैसा खर्च करने को तैयार हैं, जितना वे प्रोफेशनल वेडिंग फोटोग्राफर के लिए देते हैं।

हर साल भारत में 1 करोड़ से ज़्यादा शादियां होती हैं। ये आंकड़ा ही बताता है कि शादी का उद्योग कितना बड़ा है! करीब 4.25 लाख करोड़ रूपया का ये उद्योग लगातार बढ़ रहा है। कपल्स अब अपनी शादी को खास और यादगार बनाना चाहते हैं, यही वजह है कि ये इंडस्ट्री लगातार तरक्की कर रही है।

आजकल सोशल मीडिया शादियों का एक अहम हिस्सा बन गया है। हर खास पल को कैमरे में कैद किया जाता है और सोशल मीडिया पर शेयर किया जाता है। यही वजह है कि वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर का काम और भी ज़्यादा अहम होता जा रहा है।

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए सुनहरा अवसर

बेशक, शादी के फोटोग्राफरों की डिमांड हमेशा बनी रहेगी, लेकिन सोशल मीडिया मैनेजर की ज़रूरत लगातार बढ़ती रहेगी। वेडिंग फोटोग्राफरों को ये मौका नहीं छोड़ना चाहिए। उन्हें अब अपनी टीम को बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए, जिसमें अच्छे स्मार्टफोन रखने वाले और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जानकारी रखने वाले युवा फोटोग्राफर शामिल हो सकते हैं।

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर का काम रचनात्मकता, फोटोग्राफी स्किल्स और डिजिटल मार्केटिंग का मिश्रण होता है। ये लोग कपल्स की शादी के सफर को ऑनलाइन बनाने और शेयर करने में मदद करते हैं। इसमें सगाई से लेकर शादी की तैयारियों और फिर खुद शादी के दिन तक के खास पलों को कैमरे में कैद करना और सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर उन्हें आकर्षक पोस्ट बनाकर शेयर करना शामिल होता है। ये सब सीधे तौर पर, यानी रीयल टाइम में होता है।

ज़रूरी हुनर और औज़ार

एक सफल वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर बनने के लिए कुछ खास हुनर और औज़ार बहुत ज़रूरी हैं। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी में दक्षता से आप अच्छी तस्वीरें और वीडियो बना सकते हैं जो किसी कहानी को बता सकें। इसके लिए अच्छी नज़र और टेक्निकल जानकारी दोनों की ज़रूरत होती है। आजकल शादियों में कई तस्वीरें स्मार्टफोन से ली जाती हैं। इसलिए आपको अलग-अलग कैमरा मोड्स के बारे में पता होना चाहिए। आपको सोशल मीडिया पर आकर्षक कैप्शन लिखने आने चाहिए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि को अच्छे से चलाना आना चाहिए और इनके एल्गोरिदम (algorithms) कैसे काम करते हैं, ये समझना चाहिए। अगर आप इन हुनरों को सीख लेते हैं, तो आप सोशल मीडिया पर शानदार कंटेंट बना पाएंगे।

हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अपने यूजर्स और कंटेंट स्टाइल होते हैं। एक सफल वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर को इन बातों को समझना चाहिए और उसी के हिसाब से हर प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग तरह के पोस्ट बनाने चाहिए। पोस्ट को पहले से शेड्यूल करने वाले टूल्स, मैनेजर की मदद कर सकते हैं। इनसे वो पहले से ही सारी तैयारियां कर सकते हैं और शादी के दौरान सही समय पर अलग-अलग सोशल मीडिया पर कंटेंट पोस्ट कर सकते हैं। जिससे लोगों को शादी के पूरे समारोह के दौरान लगातार और समय पर अपडेट मिलते रहते हैं।

कहानी कहने की कला

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर के काम की असली खूबी है - कहानी कहने की कला। हर कपल की प्रेम कहानी अलग होती है, और सोशल मीडिया मैनेजर का काम इस कहानी को दिलचस्प तरीके से बताना होता है। इसमें सिर्फ शादी की रस्मों को दिखाना ही शामिल नहीं है, बल्कि उन भावनाओं, छोटे पलों और पर्दे के पीछे की तैयारियों को भी समेटना होता है, जो शादी को खास बनाती हैं।

शादी से पहले होने वाले कार्यक्रम, जैसे कि ब्राइडल शावर, मेहंदी की रस्म या संगीत, छोटे पारिवारिक जमावड़े - ये सब खास मौके कहानी में गहराई लाने के लिए बेहतरीन कंटेंट का खजाना होते हैं। एक सफल वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर को इन छोटे-छोटे पलों को पहचानना और उन्हें एक शानदार कहानी में पिरोना आना चाहिए। ये कहानी ऐसी होनी चाहिए जो कपल के सोशल मीडिया फॉलोअर्स को पसंद आए और उन्हें जोड़े से जुड़ा हुआ महसूस कराए।

वायरल कंटेंट बनाना

शादी के सोशल मीडिया मैनेजर बनने का एक मजेदार पहलू है वायरल कंटेंट बनाने का मौका! शादियों में यादगार लम्हें भरपूर होते हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर सकते हैं। शानदार तरीके से कैमरे में कैद किया गया पहला डांस, दिल को छू लेने वाला भाषण, या फिर कोई मज़ेदार कैंडिड पल - ये सब चीज़ें तेज़ी से वायरल हो सकती हैं। इससे हज़ारों दर्शकों को खुशी मिलती है और सोशल मीडिया पर ये कंटेंट कपल की शादी का अनुभव ज़्यादा लोगों तक पहुंचा देता है।

शादी के कंटेंट को आसानी से ढूंढने लायक और शेयर करने लायक बनाने में, खास और दिलचस्प हैशटैग (hashtag) बनाना भी अहम भूमिका निभाता है। ये हैशटैग कपल की शादी थीम या उनकी निजी कहानी को दर्शा सकते हैं। इससे मेहमान अपनी तस्वीरों में भी ये हैशटैग लगा सकते हैं और इस तरह पूरी शादी की कहानी को सोशल मीडिया पर एक साथ पेश किया जा सकता है।

नेटवर्किंग और सहयोग

वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर की भूमिका में नेटवर्किंग और सहयोग की भी काफी मात्रा शामिल होती है। आकर्षक तस्वीरें खींचने में सहजता का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए फ़ोटोग्राफ़र, वीडियोग्राफ़र, फ़्लोरिस्ट और प्लानर जैसे अन्य वेडिंग वेंडर के साथ काम करना ज़रूरी है। इन पेशेवरों के साथ मज़बूत संबंध बनाने से बेहतर समन्वय और उच्च-गुणवत्ता वाले कंटेंट मिल सकते हैं।

शादी के सोशल मीडिया मैनेजर हमेशा अपनी जानकारी को अपडेट रखने के लिए शादी प्रदर्शनी और इंडस्ट्री इवेंट्स में जाएं। वहां पर आपको शादियों से जुड़े लेटेस्ट ट्रेंड्स, नई टेक्नोलॉजी और क्लाइंट्स से मिलने का मौका मिलेगा। साथ ही, दूसरे वेडिंग प्रोफेशनल्स से भी जुड़ाव हो सकता है, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

भारत में वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजमेंट का भविष्य

भारतीय शादी उद्योग लगातार तरक्की कर रहा है, और इसी के साथ वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर की मांग भी तेजी से बढ़ने का अनुमान है। आजकल कपल अपनी शादी को ना सिर्फ खास बनाना चाहते हैं, बल्कि वो अपने इस खास अनुभव को ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करना भी पसंद करते हैं। ये ट्रेंड उन लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है जिनके पास सही हुनर और जुनून है।

ऊपर से, डेस्टिनेशन वेडिंग्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है, फिर चाहे वो भारत में ही हो या विदेश में, ये वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर के काम को और भी रोमांचक और जटिल बना देती है। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सोशल मीडिया मैनेजमेंट करने में, कुछ अतिरिक्त चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसेः पहले से अच्छी प्लानिंग, अलग-अलग संस्कृतियों और लोकेशन्स को समझना, ये सारी चीज़ें मिलकर इस काम को चुनौतीपूर्ण तो बनाती हैं, लेकिन साथ ही ये बहुत संतोषदायक भी होता है।

निष्कर्ष

प्रोफेशनल वेडिंग फ़ोटोग्राफ़रों के लिए, यह भूमिका एक नया अवसर प्रस्तुत करती है, और नए लोगों के लिए, वेडिंग सोशल मीडिया मैनेजर बनना रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और भावनात्मक जुड़ाव को जोड़ता है, जो इसे फ़ोटोग्राफ़ी और सोशल मीडिया के बारे में भावुक लोगों के लिए एक आदर्श करियर बनाता है। जैसे-जैसे भारत का विवाह उद्योग बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की ज़रूरत भी बढ़ रही है जो इन ख़ास पलों को इस तरह से कैप्चर और शेयर कर सकें कि वे डिजिटल दर्शकों के साथ जुड़ सकें।

सही सोच के साथ, एक शादी सोशल मीडिया मैनेजर कपल्स को उनकी शादी की यादों को सहेजने में मदद कर सकता है और साथ ही साथ सबसे खुशनुमा और तेजी से बदलते क्षेत्रों में से एक में अपना शानदार करियर भी बना सकता है। जल्द ही ऐसा समय आने वाला है जब फोटोग्राफी संस्थान शादी को कैमरे में कैद करने और उन्हें सोशल मीडिया पर स्मार्टफोन से पोस्ट करने के बारे में शॉर्ट टर्म या लंबे कोर्स देना शुरू कर देंगे।

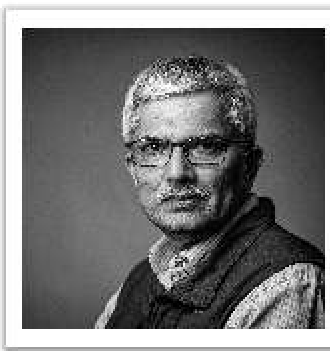

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

गाजीपुर में फोटो उत्सव 2.0 को आयोजन

23 जून 2024, गाजीपुर : फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद गाजीपुर द्वारा फोटो उत्सव 2.0 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत PUAP के अध्यक्ष दिनेश वर्मा ने फीता काट कर किया। कार्यक्रम का आगाज शानदार रहा, उमस भरी गर्मी के बावजूद पूरा हाल फोटोग्राफर्स साथियों से दिन भर भरा रहा, गाजीपुर एवं आस-पास के जनपदों के फोटोग्राफर्स साथियों ने फोटो उत्सव में भिन्न-भिन्न स्टालो पर विजिट किया। कार्यक्रम के अंत में गाजीपुर टीम द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य पदाधिकारियों को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

वाराणसी में निकॉन द्वारा फोटोवॉक

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 28 जून 2024 को निकॉन ने गंगा के घाट पर फोटोवॉक का आयोजन किया। फोटोवॉक में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने निकॉन के 'माई निकॉन एप' द्वारा पंजीकरण किया। फोटोवॉक में निकॉन क्रियेटर शुभम केसरी ने, गंगा के घाट की खूबसूरती को दिखाने के लिए मॉडल के साथ कैसे फोटोशूट किया जाय, विस्तृत जानकारी दी और फोटोशूट करके भी दिखाया।

PAUP वाराणसी इकाई की टीम का गठन

30 जून 2024, वाराणसी : जिला वाराणसी में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की वाराणसी ईकाई के नई टीम का गठन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाराणसी मंडल प्रभारी आशीष कुमार ने किया, कार्यक्रम संचालन वाराणसी जिला अध्यक्ष विभाष दूबे ने किया। प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी मिथिलेश उपाध्याय ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

टैमरान द्वारा वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप

03 जुलाई 2024, वाराणसी : वाराणसी में टैमरान द्वारा वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप में मेंटर शिव शर्मा ने टैमरान लेंसों के साथ कैसे फोटोग्राफी करें विस्तार से बताया। साथ ही टैमरान ने अपने नये लेंसों की श्रृंखला का प्रदर्शन किया तथा वर्कशाप में आये हुए फोटोग्राफर्स द्वारा उन्हें अपने कैमरे के साथ प्रयोग करने का अवसर भी प्रदान किया गया।

लखनऊ में रक्तदान शिविर का आयोजन

लखनऊ में 14 जून 2024 विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, लखनऊ इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र सिंह, लखनऊ इकाई के अध्यक्ष अमर सिंह, महामंत्री आशीष श्रीवास्तव के साथ लखनऊ की पूरी टीम उपस्थित रही। संगठन द्वारा रक्तदान दाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर आभार प्रकट किया गया।

निकॉन द्वारा मैटरनिटी फोटोग्राफी वर्कशॉप

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 13 जून 2024 को निकॉन ने मैटरनिटी फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप का संचालन जाने माने निकॉन क्रियेटर मुदित सेठ ने किया। वर्कशॉप में मैटरनिटी फोटोग्राफी से जुड़ी कई बारीकियों का विस्तार से वर्णन किया। मुदित द्वारा वर्कशॉप में आये हुए फोटोग्राफर्स को मॉडल के साथ फोटोशूट करके भी दिखाया। निकॉन के Dy. Manager Sales (East UP) सच्चिदानन्द ने 'माई निकॉन एप' के बारे में फोटोग्राफर्स को विस्तृत जानकारी दी।

कैनन द्वारा उ.प्र. में आयोजित वर्कशॉप्स

झांसी (20 जून 2024)

प्री-वेडिंग वर्कशॉप, लखनऊ (23 जून 2024)

छिवलहा, फतेहपुर (06 जून 2024)

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र (08 जून 2024)

लम्भुआ, सुल्तानपुर (10 जून 2024)

हंडिया, प्रयागराज (26 जून 2024)

रूदौली, अयोध्या (27 जून 2024)

गौरीगंज, अमेठी (28 जून 2024)

नौतनवा, महाराजगंज (28 जून 2024)

हरौरा, सुल्तानपुर (29 जून 2024)

कैनन द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं तहसील स्तर पर फोटोग्राफरों के लिए वेडिंग और प्री-वेडिंग वर्कशॉप्स का आयोजन किया। जिसमें मेंटर अमित सक्सेना और गौरव विश्वास ने नई तकनीकों से रूबरू कराया।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024

किसी व्यक्ति की तस्वीर को ज्यों का त्यों उतार देना एक बात है पर एक काबिल फोटोग्राफर उस व्यक्ति की आत्मा को भी उस तस्वीर में कैद कर सकता है। - पॉल कपोनिग्रो

स्टूडियो न्यूज के 7 वर्षों का दृष्टिपथ : एक छायाचित्र यात्रा

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in